fo"k; lph

राष्ट्रीय युवा दिवस................. 5
विधायक प्रशिक्षण वर्गः म.प्र...... 8
वायब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट.. 12
जलवायु परिवर्तन की चुनौती... 16
सत्यम ने किया सत्यानाश...... 18
दिल्ली : डीडीए घोटाला.......... 20
किसान हमारे समाज की रीढ़.... 22
विजय संकलप रैलीः हरियाणा... 24
जेल भरो आन्दोलनः उ.प्र......... 27

विशेष लेख

मांगी थी रोटी और मिला पैकेज
सुमित्रा महाजन................ 14

बैठक

अनु. जनजाति मोर्चा................ 15
प्रदेश कार्यसमिति बैठक दिल्ली.. 25
महिला मोर्चा............................ 26

राज्यों से

हरियाणा.................................... 4
मध्य प्रदेश............................... 23
उत्तराखण्ड, छत्तीसगढ़............. 28
दिल्ली, बिहार, झारखण्ड.......... 29

सम्पादक
çHkkr >k] lkln
सम्पादक मंडल
lR;iky
d- d- 'kek
lthO dekj flUgk
jkeu;u flg
पृष्ठ संयोजन
/keUæ dk'ky

सम्पर्क
Mk- ed thZ Lefr U;kl
ihih&66] lcze.;e Hkkjrh ekxZ
ubZ fnYyh&110003
Qku u- +91¼11½&23381428
QDl % +91¼11½&23387887

सदस्यता शुल्क
okf"kd 100#- | f=okf"kd 250#-

e-mail address
kamalsandesh@yahoo.co.in

प्रकाशक एवं मुद्रक : डा. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा डा. मुकर्जी स्मृति न्यास, के लिए एक्सेलप्रिंट, सी–36, एफ.एफ. कॉम्पलेक्स, झण्डेवालान, नई दिल्ली–55 से मुद्रित करा के, डा. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी–66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली–110003 से प्रकाशित किया गया। : सम्पादक – प्रभात झा

lEikndh;

धन की शोभा उसके उपयोग में है। धन के व्यय में अगर कंजूसी की जाये तो वह किसी मतलब का नहीं रह जाता है, अतः उसे खर्च करते रहना चाहिए। **-चाणक्य**

राष्ट्रीय कर्त्तव्य निभाएं

भगवान सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायन की ओर प्रस्थान कर चुके। परिवर्तन की बानगी कानों पर धीरे–धीरे सुनाई देने लगी है। राजनीतिक दलों द्वारा आगामी लोकसभा के आम चुनाव की तैयारियां भी शुरू कर दी गयी है। सन् 2004 से 2009 मई तक, जो देश के हालात बने हैं और बनेंगे उसे देखकर कोई भी राजनीतिक विश्लेषक निःसंकोच लिखेगा कि 2009 मई से 2014 मई तक के लिए चुनी जाने वाली सरकार को गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। चुनौतियां तो देश के सामने सदैव रहती है। देशवासियों के माथे पर सिलवटें इसलिए उभर रही हैं कि आज इन चुनौतियों का सामना करने और देश को संकट से उबारने की ताकत रखने वाले नेतृत्व का अभाव ही नहीं बल्कि कभी–कभी तो शून्यता सी नजर आने लगती है। चुनौतियां बड़ी होती जा रही है। और राष्ट्र का नेतृत्व निरंतर बौना होता जा रहा है। अपवाद स्वरूप कुछ दलों के व्यक्तित्व आज भी न्यायपूर्वक अपने कर्त्तव्य कर्म को करने में रात–दिन एक किये हुए हैं। बावजूद इसके अधिकतर लोग तो राजनीतिक क्षितिज पर व्यक्तित्व तो बन चुके हैं पर अस्तित्व खो चुके हैं।

हम अपने गणतंत्र की षष्टिपूर्ति मनाने के काबिल हो गये हैं। पर यह कैसी विडंबना है कि हम इन साठ वर्षों के बाद आज भी ऐसे 542 नुमाइंदे भी नहीं चुन पाये जिनकी जिंदगी भ्रष्टाचार से मुक्त हो और राष्ट्र सेवा से युक्त हो। समय की मांग है कि भारत को विकसित बनाने के लिए हमें सबसे पहले स्व–अनुशासित, सुराज भावना से युक्त जनतंत्र में अटूट आस्था रखने वाले, जिनकी आंखों में वैभवशाली भारत बनाने का लक्ष्य हो, ऐसे जनप्रहरियों को चुनकर संसद में भेजना होगा। साथ ही जनतंत्र विरोधियों को संसद की परिधि से बाहर करना होगा जो 'आयाराम–गयाराम' की जिंदगी जीते हैं, रोज अपना ईमान बेचते हैं। लोकतंत्र को नोटतंत्र से तौलते हैं, रामसेतु की खिल्ली उड़ाते हैं, वोट बैंक की राजनीति के लिए बजट का सांप्रदायीकरण करते हैं, सच्चर कमेटी का सहारा लेते हैं; संविधान का उल्लंघन कर आरक्षण की नाव पर बैठ कर चुनाव की वैतरणी पार करना चाहते हैं, अपराध से भरी जिंदगी संसद की गरिमा बन जाती है।

सीखचों के भीतर रहने वाले संसद के भीतर पहुंच जाते है, कुकुरमुत्तों की तरह पैदा होने वाले नेताओं को पनाह देते हैं, जो मुल्क से बड़ा अपने कारोबार को मानते हों, जो धर्म को अफीम बताते हैं, इतना ही नहीं जिनकी सांसें पाक परस्त हैं, ऐसे लोगों के विरूद्ध जनमत तैयार कर बुलेट के बजाय बैलेट से मारना होगा।

यहां यह बताना उचित होगा कि विश्व में सर्वाधिक बुद्धिमान नेताओं में से एक ''ली कुआन एयू'' ने बार–बार कहा है कि भारत नींद में सोया हुआ है और यदि वह जाग जाए तो विश्व की अर्थव्यवस्था को गहरे रूप से प्रभावित कर सकता है। लेकिन उन्होंने भारतीयों में जिस गुण का अभाव पाया, वह था अपने देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी और समर्पण भावना का निर्वाह करना। ली कुआन का कहना है कि यह गुण चीन के लोगों में प्रचुर मात्रा में हैं और इसलिए चीन में अपनी बहुत बड़ी आबादी के बावजूद जो क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं, उन्होंने विकसित देशों को भी उलझन में डाल दिया है। दुर्भाग्य से हमारे देश में आबादी तो है लेकिन जिम्मेदारी और व्यवस्था की भावना नहीं है हम लोग जो मन में आया उसे करने की आजादी को अपना जन्मसिद्ध अधिकार मानते हैं।

भारत अब तक यह नहीं तय कर पाया है कि इस देश को क्या पढ़ाया जाना चाहिए और क्या दिखाया जाना चाहिए। जिसको जो मन आये वह पढ़ा सकता है जिसको जो मन आये वह पढ़ सकता है। जिसको जो मन आये वह कुछ भी दिखा सकता है। राष्ट्र–इच्छा से बड़ी व्यक्ति–इच्छा नहीं हो सकती। पर काश ऐसा होता। भारत में व्यक्ति इच्छाएं अनियंत्रित हो रही हैं और राष्ट्र–इच्छा पूरी तरह से गौण होता जा रहा है।

किसी भी राष्ट्र में व्यक्ति इच्छा से ज्यादा महत्वपूर्ण राष्ट्र की इच्छा को माना जाता है। हमारी राष्ट्रीय इच्छा है, राष्ट्रीयता की जड़ें गहरी हों, जातीयता की जंजीर से हम मुक्त हों, विषमता के नुकीले दांत टूटें और समता की कोमल पंखुरियां दूर–दूर तक बिखरें। हमारी राष्ट्रीय इच्छा है कि भारत की सार्वभौमिकता अक्षुण्ण रहे, इसकी जनतंत्र की आत्मा सदैव जीवित रहे। इसका तिरंगा सदैव लहराता रहे। आध्यात्मिकता की माटी से सृजनता का कार्य सदैव होता रहे। भारतीयता का भाव अखंड ज्योति की तरह सब के मन में प्रज्जवलित रहे। ''राष्ट्र मेरा– मैं राष्ट्र का'' का भाव मन में पुष्ट रहे, विश्व में हमारी मान्यता बढ़े, विकास के एवरेस्ट तक हम पहुंचे, विश्व में निर्णायक भूमिका हमारी हो, जन्म लेते ही नौनिहाल काल के गाल में न समाये, उसकी किशोरावस्था कोलाहल से दूर रहे, युवा होते ही बेरोजगारी के फुटपाथ पर उसकी जिंदगी न कटे, उसका पुरुषार्थ अर्थहीन न हो, उसकी गृहस्थ व्यवस्था बोझमय न हो, व्यक्ति के नाते वह गर्व से कहे कि हम भारतीय हैं और भारतीय होने पर उसे गर्व हो, ऐसे शक्तिशाली और समृद्धशाली भारत बनाने की प्रबलतम इच्छा ही हमारी राष्ट्रीय इच्छा है।

राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी और समर्पण की भावना की साधना करने वाले मतवालों की टोली गांव–गांव में तैयार करनी होगी। देश के चौपालों को चहकाना होगा। ग्रामीण भारत और शहरी भारत की खाई को पाटना होगा। गरीबी और अमीरी की बढ़ती दूरी कम करनी होगी। यह सब बातों से नहीं, देश के नेतृत्व को, अपने आचरण–व्यवहार से धरातल पर साकार करना होगा तब जाकर भारतमाता के चेहरे पर मुस्कान आएगी और वह भारत–माता से विश्वमाता बनने की ओर अग्रसर होगी। ■

पाकिस्तान पर धावा बोले भारत सरकार : राजनाथ सिंह

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजनाथ सिंह ने दो टूक शब्दों में यूपीए सरकार से कहा है कि मुम्बई आतंकी घटना के बाद पाकिस्तान को बार–बार धमकी देकर युद्ध का उन्माद पैदा न करे बल्कि आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए सेना को आदेश दे कि वह पाकिस्तान पर धावा बोले। उन्होंने यह भी स्पष्ट कर दिया कि, उनकी सरकार आई और इस तरह की घटना हुई और पाकिस्तान का खुले रूप से इस तरह आतंकवाद को संरक्षण रहा तो पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया जाएगा।

श्री राजनाथ सिंह गुड़गांव में आयोजित भाजपा व इनेलो की एक संयुक्त रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिस तरह के हालात देश में बने हैं उसके चलते यूपीए सरकार को केवल बातें नहीं करनी चाहिए, काम करना चाहिए और देश की जनता को आश्वस्त करना चाहिए कि वे सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का दम नहीं है, इसलिए सत्ता में आए तो राजग सरकार आतंकवाद को संरक्षण दे रहे पाकिस्तान पर हमला करेगी। उन्होंने यूपीए सरकार की महंगाई पर खिंचाई करते हुए कहा कि जब–जब कांग्रेस सत्ता में आई है, देश की जनता पर महंगाई का बोझ पड़ा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को इस बात का जवाब देना चाहिए कि कांग्रेस के इतने साल के राज में भी देश ताकतवर व धनवान देशों की श्रेणी में खड़ा क्यों नहीं हो सका है।

जबकि जापान आज धनवान व ताकतवर देशों में शुमार हो चुका है। उन्होंने कहा कि भारत के किसानों को धनवान देशों में शामिल होगा। उन्होंने दावा किया कि एनडीए ने ऐसी योजनाएं बनाई हैं कि केन्द्र में सरकार आई तो किसानों को धनवान बनाया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि एनडीए सरकार सत्ता में आते ही किसानों का कर्ज माफ कर दिया जाएगा। चार प्रतिशत ब्याज दर पर किसानों को ऋण दिया जाएगा। अगर एक साल फसल सूखी रहती है तो ब्याज दो प्रतिशत घटा दिया जाएगा और तीन साल तक लगातार सूखा पड़ा तो किसानों को एक पैसा भी ब्याज का नहीं देना होगा। यूपीए सरकार ने जो बासमती चावल पर कस्टम ड्यूटी 800 रूपए लगाई है, राजग सरकार के आने पर उसे कम किया जाएगा या बिल्कुल ही समाप्त कर देंगे।■

झारखण्ड में नए भाजपा अध्यक्ष नियुक्त

भारतीय जनता पार्टी झारखण्ड के प्रदेश अध्यक्ष श्री पी. एन. सिंह ने केन्द्रीय नेतृत्व द्वारा लोकसभा चुनाव प्रत्याशी घोषित होने पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजनाथ सिंह जी को अपना इस्तीफा दे दिया है। पार्टी अध्यक्ष श्री राजनाथ सिंह ने उनका इस्तीफा मंजूर कर लिया है और पूर्व मंत्री श्री रघुवर दास को झारखण्ड प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है।■

आइए, भारत को सशक्त बनाने के लिए भारत के युवाओं को शक्ति-सम्पन्न बनाएं

आज स्वामी विवेकानन्द की जयंती है। हम इसे राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में आनन्दपूर्वक मनाते हैं। यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि मुझे आज बंगलौर में रामकृष्ण मठ में स्वामीजी की तेजस्वी प्रतिमा का अनावरण करने के लिए आमंत्रित किया गया है। मुझे इस मौके पर कर्नाटक के वर्तमान मुख्यमंत्री श्री बी.एस. येदियुरप्पा और पूर्व मुख्यमंत्री श्री एस.एम. कृष्णा, दोनों को यहां उपस्थित देखकर अच्छा लगा। इनमें से एक भारतीय जनता पार्टी से है और दूसरे कांग्रेस से है। हम सभी को भारत के महान नायकों, शहीदों और महान व्यक्तियों जो हमारे राजनीतिक

राष्ट्रीय युवा दिवस (स्वामी विवेकानन्द जयंती) पर बंगलौर में 12 जनवरी, 2009 को श्री लालकृष्ण आडवाणी द्वारा उद्‌बोधन

और वैचारिक सरोधारों से ऊपर हैं, का सम्मान करने में एकजुट होना चाहिए।

स्वामी विवेकानन्द एक प्रकाशमान सितारे थे जिन्होंने एक ऐसे समय पर अपना कांतिमय प्रकाश बिखेरा जब भारत एक अंधकारपूर्ण रात्रि से गुजर रहा था। सन् 1857 की स्वतंत्रता की पहली लड़ाई में हुई हार तथा उसके साथ खूनी दमन ने लोगों के भीतर निराशा और विषाद की स्थिति पैदा कर दी थी। इसने जनता के एक वर्ग अर्थात् अंग्रेजी में नये पढ़े–लिखे लोगों में इस तरह की हीनभावना भी पैदा कर दी थी कि भारत पर अंग्रेज इसलिए शासन कर रहे हैं कि वे श्रेष्ठ जाति से हैं और उनकी संस्कृति श्रेष्ठ है। दिमाग में उपनिवेशवाद का हमेशा ही गंदा रूप रहता था। भारत के गौरवशाली अतीत का उपहास उड़ाया जा रहा था, इसकी आध्यात्मिक परम्परा और सांस्कृतिक लोकाचारों की निन्दा की जा रही थी और अनेक भारतीयों ने यह स्वीकार करना शुरू कर दिया था कि इस प्राचीन सभ्यता को सभ्य बनाने का 'भार श्वेत लोगों पर है। यह ऐसा निराशामय समय था जब स्वामी विवेकानन्द शेर की तरह गरजे। उन्होंने भारतीयों को गहरी नींद से जगाया। उन्होंने लोगों में देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना जगाई। उन्होंने भारत के युवाओं के मस्तिष्क को निम्नलिखित शब्दों से प्रदीप्त किया:

- ''भाइयों और बहनों, लम्बी रात अब समाप्त होने वाली है। दुःख और तकलीफों के बादल छटने वाले हैं। हमारा देश एक पावन देश है। यह धीरे–धीरे जाग रहा है। चारों ओर नई सुगंध फैल रही है। उसकी ताकत को कोई भी मात नहीं दे सकता।''
- ''क्या आप मातृभूमि की खातिर सभी तरह का बलिदान देने के लिए तैयार हैं? यदि आप तैयार हैं तो आप गरीबी और अज्ञानता की पृष्ठभूमि से छुटकारा पा सकते हैं। क्या आप जानते है कि हमारे करोडों देशवासी भुखमरी से त्रस्त और दयनीय स्थिति में हैं? क्या आपके मन में उनके लिए सहानुभूति है? क्या आप उनके लिए एक भी आंसू बहा सकते हैं?''
- ''क्या आपमें किसी भी मुसीबत चाहे वह कितनी भी कठिन क्यों न हो, का सामना करने की हिम्मत है? क्या आपके अन्दर अपने लक्ष्य को पाने की इच्छा–शक्ति और पक्का इरादा है, चाहे आपके निकट सम्बन्धी आपका विरोध ही क्यों न करें? आप तभी आजाद होकर जी सकते हैं जब आपके अंदर आत्म–विश्वास भरा होगा। आपका एक मजबूत डीलडौल होगा? आपको अध्ययन और चिन्तन–मनन से अपने मस्तिष्क को विकसित करना होगा। तभी आपकी विजय होगी।''
- ''मैंने अमेरिका और इंग्लैड जाने से पहले अपनी मातृभूमि को जी जान से प्यार किया। वहां से लौटने के बाद, इस भूमि की धूल का हरेक कण मेरे लिए पावन प्रतीत होता है।''

कराची जहां मैंने अपने जीवन के पहले 20 साल बिताए, मैं एक छात्र के रूप में और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जिससे में 14 वर्ष की आयु में जुड़ गया था, का एक युवा स्वयंसेवक होने के नाते मैं स्वामी विवेकानन्द के विचारों से बहुत अधिक प्रभावित हुआ। मुझ पर यह प्रभाव इसलिए भी ज्यादा था क्योंकि उनके एक महानतम शिष्य स्वामी रंगनाथानन्द जो उस समय कराची में रामकृष्ण मिशन के मुखिया हुआ करते थे, ने इसे और गहरा कर दिया। मैं भगवद्‌गीता पर स्वामी रंगनाथानन्द के

साप्ताहिक प्रवचन सुनने के लिए जाया करता था जिनकी वे स्वामी विवेकानन्द की शिक्षाओं से सन्दर्भ देकर व्याख्या किया करते थे। विवेकानन्द कोई राजनीतिक व्यक्ति नहीं थे। उन्होंने कभी भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन से जुड़ी किसी भी राजनीतिक गतिविधि में हिस्सा नहीं लिया। फिर भी, वे स्वतंत्रता आन्दोलन के महानतम प्रेरकों में से एक बन गये क्योंकि उन्होंने अपने विचारों और आदर्शवाद की ताकत से लोगों में राष्ट्रवाद की भावना को जागृत किया। मुझे यहां स्वामीजी के कुछ शब्द याद आ रहे हैं जब वे यूरोप और अमेरिका के अपने अत्यंत सफल दौरे के बाद सन् 1897 में भारत लौटे थे। उस दौरान उन्होंने सन् 1893 में शिकागो में विश्व धर्म संसद में अपना ऐतिहासिक भाषण भी दिया था। उनका जहाज मद्रास में आकर रूका जहां उनका शानदार स्वागत किया गया। उन्होंने अपने जवाब कुछ दार्शनिक उपदेश में दिये :

अगले 50 वर्षों तक......हमारे मस्तिष्क से सभी दूसरे निष्फल देवता अदृश्य हो जाएं। केवल यही एक देवता, अर्थात् भारत और हमारी अपनी नस्ल जागृत रहे........ये सभी हमारे अपने देवता हैं.. .....मनुष्य और पशु; और हमारे सबसे पहले देवता हमारे देशवासी हैं, जिनकी हमें पूजा करनी है।

स्वामीजी ने सन् 1897 में ''अगले 50 वर्षों के लिए'' यह आह्वान किया था। ठीक पचास वर्षों के बाद भारत को औपनिवेशिक शासन से आजादी हासिल हुई। विवेकानन्द ने स्वतंत्रता से पूर्व और स्वतंत्रता के बाद की पीढ़ियों के भारतीय लोगों की कल्पनाशक्ति को समझा क्योंकि वे भारत के अत्यंत परम्परागत आध्यात्मिक नेताओं से भिन्न थे। यद्यपि उन्हें भारत के अतीत पर गर्व था लेकिन उन्होंने उन बुराईयों और कुरूतियों की ओर से भी आंखें नहीं मूंद रखी थीं जिन्होंने हमारे समाज को विकृत कर दिया था। उन्होंने अपने देशवासियों को उपदेश देने में शब्दों में कोताही नहीं बरती। ''आप इसलिए खुश होते हो कि आप महान संतों की नस्ल से सम्बन्धित हो। लेकिन जब तक ऊंची जातियों के लोग दलितों के उत्थान में मदद नहीं करेंगे और जब तक उनका शोषण बंद नहीं हो जाता, भारत एक कब्र ही बना रहेगा।

भारतमाता किसानों के दीनहीन आवासों से उठकर फिर से आगे बढ़े। वह मछुआरों की झोंपड़ी में प्रकट हो। वह मोची और सफाई कर्मचारी की कुटिया से निकलकर आगे बढ़े। वह गोदामों और कारखानों में प्रकट हो। नये भारत के गीत पहाड़ों, वनों और घाटियों में गूंजे और प्रतिध्वनित हों।''

स्वामीजी एक हिन्दू संत थे। उन्होंने भारतीयों और विदेशी लोगों, दोनों के समक्ष सनातन धर्म की सच्ची तस्वीर प्रस्तुत की। यद्यपि उन्होंने हिन्दुओं को भारत की आध्यात्मिक परम्पराओं और विरासत पर गर्व करने हेतु प्रोत्साहित किया लेकिन उन्होंने सभी दूसरे धर्मों का सम्मान किया और कभी भी अपने अच्छे पहलुओं का गुणगान करने में हिचक नहीं की। अपनी शिक्षाओं और भाषणों विशेषकर सन् 1893 में शिकागो में विश्व धर्म संसद में दिए गए उनके प्रख्यात भाषण में एक सार्वभौमिक आग्रह किया गया है। वे सहिष्णुता, सद्भाव और परस्पर सहयोग पर बल देते हुए आज के विश्व जिसे अलगाववाद, कट्टरवाद, आतंकवाद और सैन्यवाद की विचारधाराओं से खतरा है, का सही मार्गदर्शन करते हैं। स्वामीजी के विचारों में आधुनिकता झलकती है क्योंकि वे अपने दृष्टिकोण में काफी आधुनिक है। उन्होंने हमेशा नये विचारों का स्वागत करते हुए भारत के उत्थान एवं विकास के लिए उद्योग, किसान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने की शक्ति को भी गहराई से समझा।

उन्होंने पूर्वी भारत के खनिज बहुल क्षेत्रों में एक घरेलू इस्पात संयंत्र और बंगलौर में भारतीय विज्ञान संस्थान की स्थापना हेतु जमदेशजी टाटा के विचार को उत्साहपूर्वक आशीर्वाद दिया। उन्होंने सिस्टर निवेदिता तथा तीन अन्य योग्य शिष्यों को अंग्रेज प्राधिकारियों से मिलने के लिए इंग्लैंड भेजकर आई.आई.एस.सी. की स्थापना के लिए सक्रिय रूप से अभियान चलाया।

स्वामीजी ने युवाओं से आग्रह किया कि वे विश्वास से परिपूर्ण हों और निडर बनें। उन्होंने आध्यात्मिक शक्ति पर बल देते हुए उपदेश किया कि वे जीवन में भौतिक, मानसिक और अन्य शक्तियों को न नकारे। उन्होंने कहा, ''आप गीता का अध्ययन करने की अपेक्षा फुटबाल के जरिए ईश्वर के ज्यादा नजदीक होंगे. ....यदि आपकी मांसपेशियां मजबूत होंगी तो आप अपनी द्विशिर पेशी के साथ गीता को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं।'' आज भी ये शब्द हमारे विद्यार्थियों और युवाओं के लिए कितने प्रासंगिक हैं। इतिहास के अनेक वीर लोगों की तरह विवेकानन्द का देहावसान भी युवावस्था में ही हो गया। जब उनका सन् 1902 में देहावसान हुआ तो वे केवल 39 वर्ष के थे।...

मित्रों, भारत एक युवा देश है। आज विश्व की अपेक्षा हमारे देश में युवाओं की सबसे ज्यादा जनसंख्या है। हमारे बच्चे और हमारे युवा पुरूष और महिलाएं अपने सबसे बहुमूल्य संसाधन है। वे भारत के भविष्य के लिए आशा के सबसे उज्ज्वल स्रोत भी हैं। मैं हाल में बंगलौर में बसे नन्दन निलेकाणी की पुस्तक ''इमेंजिग इंडिया : आइडियाज फॉर द न्यू सेन्चुरी'' पढ़ रहा था जिसमें उन्होंने जबरदस्त 'जनसांख्यिकी लाभ' का वर्णन किया है। जिसका हमारा देश फायदा उठा रहा है। लेकिन साथ ही वे सचेत भी करते हैं कि इस संभावित जनसांख्यिकी संसाधन का इस्तेमाल तभी किया जा सकता है जब हमारे बच्चों और युवाओं को अच्छी शिक्षा और उत्पादन हुनरों से सुसज्जित कर दिया जाए।

आज राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर मैं भारतीय युवाओं को सशक्त बनाने के लिए पांच सुझाव देना चाहूंगा ताकि वे एक अधिक शक्तिशाली, अधिक खुशहाल और अधिक सुरक्षित भारत का निर्माण कर सकें। यदि अगले संसदीय चुनावों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबन्धन चुनकर आता है तो केन्द्र की हमारी भावी सरकार उपयुक्त नीतियों और कार्यक्रमों के साथ इन सुझावों को प्रभावी ढंग से कार्यान्वित करेगी।

व्यक्ति-निर्माण और राष्ट्र-निर्माण के लिए शिक्षा

हमने देखा है कि गुणवत्ता वाली शिक्षा ने भारत के जनसांख्यिकी संसाधन के छोटे से हिस्से को किस तरह से समृद्ध बनाया है। हमारे सुशिक्षित और अत्यंत प्रतिभाशाली युवा

व्यावसायिकों ने सफलता की अनेक कहानियां लिखी हैं और उनमें से अनेक बंगलौर में ही कार्यरत हैं। उपलब्धियां

प्राप्त करने वाले इन युवाओं ने भारत को गौरवशाली बनाया है और विश्व में भारत की प्रतिष्ठा को बढ़ाया है, लेकिन कल्पना कीजिए कि जब भारत के प्रत्येक युवा को अच्छी शिक्षा से इसी तरह शक्तिसम्पन्न बना दिया जाएगा तो भारत कितनी अधिक उपलब्धियां हासिल कर सकता है और अच्छी शिक्षा से तात्पर्य जैसा स्वामी विवेकानन्द ने इसका वर्णन किया है, का मैं उल्लेख कर रहा हूं : ''व्यक्ति–निर्माण और राष्ट्रीय निर्माण के लिए शिक्षा आवश्यक है। मेरा मानना है कि यह सुनिश्चित करना हमारा कर्त्तव्य है कि प्रत्येक भारतीय बच्चा चाहे वह किसी भी जाति, धर्म, वर्ग से सम्बन्धित हो अथवा कोई भी भाषा बोलने वाला हो, उसका पूरी क्षमता के साथ विकास हो।

शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य

अच्छा स्वास्थ्य समृद्धि और प्रगति के लिए नींव और पूर्व–शर्त है। हमें यह सुनिश्चित करते हुए भारत में स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में क्रांति लानी होगी कि प्रत्येक नागरिक की बुनियादी जरूरतों का ध्यान रखा जाए। खेल–कूद, मनोरंजन, साहसिक कार्यों, योग, चिन्तन–मनन (मेडिटेशन) और पोषाहार जैसी सुविधाओं को कई गुणा बढ़ाना होगा। खेल–कूद में उत्कृष्टता को प्रोत्साहन देना एक राष्ट्रीय अभियान होना चाहिए। सचिन तेंदुलकर, विश्वनाथन आनन्द, सानिया मिर्जा और अभिनव बिन्द्रा केवल अपनी व्यक्तिगत उपलब्धियों के कारण ही लोकप्रिय नहीं हैं बल्कि इसलिए लोकप्रिय हैं कि उनकी उपलब्धियों पर प्रत्येक भारतीय को गर्व है।

हमारे पास आने वाले वर्षों में उनके जैसे सैंकडों खिलाड़ी होने चाहिए। इसी प्रकार, हमारे युवाओं में उपलब्ध असीमित सांस्कृतिक और कलात्मक प्रतिभाशाली युवाओं को राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने के लिए पर्याप्त सुविधाएं मुहैया कराई जानी चाहिए।

इन सभी बातों के लिए, सरकारी और गैर–सरकारी संस्थाओं का व्यापक रूप में कायाकल्प करना पड़ेगा। शुरू में, हमें प्रत्येक स्कूल में खेल सुविधाएं, प्रत्येक ताल्लुका में एक खेल परिसर (स्पोर्टस स्टेडियम) तथा प्रत्येक जिले में एक युवा हॉस्टल मुहैया कराने होंगे।

रोजगार-गहन आर्थिक वृद्धि

आज जब आर्थिक मंदी के कारण बड़े पैमाने पर नौकरियां समाप्त हो रही हैं, भारतीय युवाओं के लिए रोजगार उपलब्ध कराना एक बड़ी चिन्ता का विषय है। हालांकि भारत ने उदारीकरण के बाद के युग में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की अपेक्षाकृत अधिक दरें हासिल की हैं, फिर भी, इस वृद्धि ने रोजगार सुविधाओं में सहवर्ती बढ़ोतरी नहीं दिखाई है। इसके विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं। इसलिए हमारी आर्थिक नीति में शारीरिक रूप से समर्थ प्रत्येक व्यक्ति के लिए उत्पादी स्वरूप का रोजगार सुनिश्चित होना चाहिए।

देशभक्ति और राष्ट्रीय मूल्यों को प्रोत्साहन

मेरा हमेशा यह विश्वास रहा है कि युवा लोग स्वाभाविक रूप से देशभक्त और आदर्शवादी होते हैं। उनकी देशभक्ति और आदर्शवाद को तभी प्रोत्साहित किया जा सकता है–किया जाना चाहिए–जब उन्हें ऐसी गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाए जो उन्हें भारत के इतिहास व संस्कृति, हमारी विविध आध्यात्मिक एवं वैज्ञानिक विरासत तथा परम्पराओं और हमारी विगत तथा समकालीन उपलब्धियों के बारे में अधिक जानकारी दी जाए।

इसके लिए, हमें अपने विद्यार्थियों विशेषकर उपेक्षित और वंचित पृष्ठभूमि वाले छात्रों के लिए देशभर की यात्रा करने हेतु व्यापक सुविधाएं सृजित करना जरूरी है। उदाहरण के लिए, स्कूली भ्रमणों में कन्याकुमारी में विवेकानन्द रॉक मेमोरियल जैसे स्थानों को अनिवार्य गंतव्य बनाया जाना चाहिए। (सन् 1970 में इस मेमोरियल की स्थापना में एकनाथजी रानाडे जो इस परियोजना के प्रमुख कर्ता–धर्ता थे, की सहायता करके मैंने भी एक छोटी सी भूमिका निभाई थी) अच्छे साहित्य को बढ़ावा देकर पुस्तकालय आन्दोलन का बड़े पैमाने पर विस्तार किया जाना चाहिए। और, राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के लिए इंटरनेट की शक्ति का पूरी तरह से इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

एक काम देश के नाम - युवाओं में स्वयंसेवा को बढ़ावा देना

देशभक्ति की तरह ही स्वयंसेवा की भावना भी युवावस्था में स्वाभाविक रूप से आ जाती है। इसे राष्ट्र–निर्माण के बड़े और चुनौतीपूर्ण कार्यों को पूरा करने के लिए पोषित और लक्षित किया जाना चाहिए।

क्या एन.सी.सी. और एन.एस.एस. जैसे कार्यक्रमों को नया रूप देकर ऐसा करना संभव नहीं है ताकि स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत, साक्षर भारत और सुरक्षित भारत जैसे लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु हमारे छात्रों और युवाओं की असीमित ऊर्जा को इस्तेमाल में लाया जा सके? उदाहरण के लिए, क्या हमारी पवित्र नदियों, तीर्थ स्थानों और अपने शहरों तथा कस्बों की सफाई के लिए सतत् आधार पर एक व्यापक राष्ट्रव्यापी अभियान चलाने हेतु राष्ट्र के सभी संसाधनों – युवाओं की स्वैच्छिक सेवा, धार्मिक नेताओं के आशीर्वाद और भागीदारी तथा केन्द्र एवं राज्य सरकारों के वित्तीय, प्रशासनिक और नीतिगत संसाधनों – को जुटाना, संभव नहीं है? क्या हमारे स्कूलों और कॉलेजों में एन.सी.सी. और एन.एस.एस. के कार्यक्षेत्र का व्यापक रूप में विस्तार करना और उसमें नई जान डालना संभव नहीं है ताकि प्रत्येक छात्र को अनेक तरह से राष्ट्र की सेवा में लगाया जा सके? ऐसा संभव है। वास्तव में, यह जरूरी भी है।

पहले कदम के रूप में, भावी सरकार द्वारा एक विस्तृत योजना तैयार करने से पहले ही मैं अपने युवा मित्रों से अपील करता हूं कि वे अपने आस–पड़ोस, शैक्षिक संस्थाओं, अथवा कार्यस्थलों में एक राष्ट्रव्यापी सेवा अभियान शुरू करें जिसे ''एक काम देश के नाम'' कहा जाए।

वस्तुतः, हमारे लाखों युवा ऐसी स्वैच्छिक गतिविधियों – वनरोपण, रक्तदान, साक्षरता अभियान, गरीब छात्रों के लिए ट्यूशन, वृद्ध लोगों की सेवा और देखभाल, खेल, कला तथा संस्कृति को प्रोत्साहन आदि – में पहले से ही लगे हुए हैं। मैं उनसे आग्रह करता हूं कि वे अपनी गतिविधियों के बारे में मुझे लिखें। उनकी गतिविधियों को मेरी वेबसाइट www.lkadvani.in पर प्रचारित किया जाएगा। जैसा मैंने कहा, ये भावी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबन्धन सरकार के वादे होंगे। यदि इन वादों से कम का लक्ष्य रखा जाता है तो यह स्वामी विवेकानन्द जयंती का एक उपयुक्त स्मरणोत्सव नहीं होगा। ■

भाजपा एक दल नहीं वरन् एक आंदोलन है

10 व 11 जनवरी, 2009 को भोपाल, मध्यप्रदेश में नव निर्वाचित विधायकों का प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया गया। भाजपा के प्रशिक्षण प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित इस वर्ग में नव निर्वाचित विधायकों को भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने विभिन्न सत्रों में सम्बोधित कर उनके दोहरे दायित्व, जनता के प्रति संवेदनशीलता और संगठन के प्रति प्रतिबद्धता के संकल्प को दोहराया।

प्रशिक्षण वर्ग के प्रारम्भ में राजनाथ सिंह, विक्रम वर्मा, प्रभात झा, कैलाश जोशी, नरेंद्र सिंह तोमर, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और माखन सिंह चौहान ने डॉ.श्यामाप्रसाद मुखर्जी, पं.दीनदयाल उपाध्याय और कुशाभाऊ ठाकरे के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की और दीप प्रज्जवलित किया। प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अतिथियों का स्वागत किया। नरेंद्र सिंह तोमर ने अपने स्वागत भाषण में विधायक प्रशिक्षण वर्ग की रूपरेखा प्रस्तुत की और कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण वर्ग संगठन की परंपरा रहे हैं तथा इससे सार्वजनिक जीवन में कार्य की सार्थकता और मूल्यों की स्थापना के प्रति हम सदैव सजग बनते हैं। नरेंद्र सिंह तोमर ने आशा व्यक्त की कि मध्यप्रदेश को स्वर्णिम राज्य बनाने के हमारे लक्ष्य में यह प्रशिक्षण वर्ग मील का पत्थर साबित होगा। संचालन रामेश्वर शर्मा ने किया। प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल माधव दवे ने सत्रों की विषयवार जानकारी देते हुए विधायकों से आग्रह कि वे प्रशिक्षण वर्ग को सोउद्देश्य और सार्थक बनाने के लिए अपना समग्र ध्यान वर्ग पर केन्द्रित रखें।

विधायक प्रशिक्षण वर्ग के अवसर पर पार्टी के प्रदेश सह संगठन महामंत्री भगवत शरण माथुर और अरविंद मेनन, प्रदेश उपाध्यक्ष विजेन्द्रसिंह सिसोदिया उपस्थित थे।

विधायकों का दोहरा दायित्व -राजनाथ सिंह

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजनाथ सिंह ने भोपाल में भारतीय जनता पार्टी विधायक प्रशिक्षण के दो दिवसीय आयोजन का उद्‌घाटन करते हुए विधायकों से आग्रह किया कि वे विधायी कार्य के प्रति समर्पण, निष्ठा और लगन से कार्य करेंगे। इससे जहां लोकतंत्र समृद्ध होगा, वहीं विधायक की कुशलता की छाप अंकित होगी।

राजनाथ सिंह ने कहा कि विधायक की दोहरी भूमिका होती है, क्षेत्रीय जनता की अपेक्षाओं के प्रति उसे संवेदनशील रहना पड़ता है। संगठन के प्रति उसकी प्रतिबद्धता है। साथ ही उसका समाज और देश के प्रति योगदान करने का दायित्व बनता है। इस कार्य को सफलता पूर्वक करने के लिए विधायकों को अध्ययनशील, मननशील बनना पड़ेगा। विधायक के जीवन में होमवर्क की बड़ी उपयोगिता है। इससे जहां सदन में हम जनता के प्रति जवाबदेही पूरी करते हैं, वहीं हमें विधायिका के कामकाज की प्रदेश और देश के मामलों की जानकारी बढ़ती है।

जनता के लिए सदैव सुलभ रहें - अनंत कुमार

गत 10 जनवरी को भारतीय जनता पार्टी विधायक अभ्यास वर्ग को संबोधित करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अनंत कुमार ने कहा कि पद के साथ अहंकार की भावना आ जाना पतनोन्मुखी हो जाना है।

उन्होंने आगाह किया कि जन प्रतिनिधि के रूप में वे सहज सुलभ रहें। संपर्क में आने वाले किसी को उपेक्षा की अनुभूति न हो, सबके लिए समय दिया जाना चाहिए। जनप्रतिनिधि का चुनाव जनता करती है इसलिए जनता के हित में अपने कार्य के घंटों में 80 प्रतिशत समय जनता के लिए सुलभ किया जाना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता का पद अत्यंत गौरवशाली सम्मान है जिसकी रक्षा में हमें निश्चय रूप से तत्पर रहना चाहिए।

अनंत कुमार ने जनप्रतिनिधियों से अपने व्यवहार को पारदर्शी बनाने और जनता से सामीप्य स्थापित करने का आह्वान किया और कहा कि वे मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान और प्रदेश अध्यक्ष नरेन्द्रसिंह तोमर की विनम्रता उनके सत्ता और संगठन में तालमेल, कार्यों में सहमति, एकाग्रता के प्रति समर्पित हो और उसे दैनंदिन जीवन में चरितार्थ करें। प्रदेश अध्यक्ष नरेन्द्रसिंह तोमर ने अनंत कुमार का पुष्प मालाओं से स्वागत किया।

पूर्व में प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल माधव दवे ने विषय का प्रवर्तन किया। उक्त अवसर पर मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान भी उपस्थित थे। अनिल माधव दवे ने अतिथियों के प्रति आभार प्रदर्शन किया।

जनता के प्रति जवाबदेह: वेंकैय्या नायडू

भारतीय जनता पार्टी विधायक वर्ग के प्रथम सत्र को संबोधित करते हुए वरिष्ठ नेता और पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष वेंकैय्या नायडू ने विधायकों से आग्रह किया कि वे जन सेवा में आनंद की अनुभूति करें और पार्टी की विचारधारा, मूल्यों की स्थापना, मातृभूमि को वैभव के चरम शिखर पर पहुंचाने के कार्य में

अनवरत जुटे रहें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विधायक पार्टी का कार्यकर्ता है और उसकी पार्टी के प्रति निष्ठा बनी रहना चाहिए। अनुशासन, आचार व्यवहार, विचारधारा, जनता से जीवंत संपर्क, संकल्पों के प्रति समर्पण, सहयोगियों, कार्यकर्ताओं, जनता के प्रति संवेदनशीलता का व्यवहार करने के साथ विधायक को आत्म परीक्षण करते रहना चाहिए। उन्होंने जनता से सजीव संपर्क बनाने के लिए अधिकतम जनसंपर्क और प्रवास की आवश्यकता रेखांकित की। उन्होंने कहा कि आज हम साधन संपन्न हैं। सुविधाएं हैं। 50 के दशक से श्री अटल बिहारी वाजपेयी और श्री लालकृष्ण आडवाणी ने कठिन परिस्थितियों में देश के दौरे आरंभ किये थे, और पार्टी की विचारधारा को जन–जन तक पहुंचाने के लिए कठिन परिस्थितियों में कार्य किया। हमें उनके जैसा जीवित संपर्क बनाने के लिए कठोर परिश्रम करना चाहिए।

पूर्व में प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने वेंकैय्या नायडू का पुष्पा हार से स्वागत किया। वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री सुंदरलाल पटवा ने भी सत्र में भाग लिया। अनिल माधव दवे ने विषय का प्रवर्तन किया। वेंकैय्या नायडू का भाषण विधायक की पार्टी में भूमिका पर केन्द्रित था।

क्षेत्र की जानकारी हो - विक्रम वर्मा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विक्रम वर्मा ने विधायक प्रशिक्षण वर्ग को संबोधित करते हुए कहा कि इलेक्ट्रानिक ऐज में राजनैतिक कार्यकर्ता और विधायक की भूमिका अत्यंत चुनौतीपूर्ण हो गयी है उसे जहां सदन के भीतर सक्रिय रहना पडता है, राजनैतिक परिस्थितियों और दैनांदिन के कार्यक्रमों में भी अपनी भागीदारी सुनिश्चित करना पड़ती है। साथ ही यह भी देखना पड़ता है कि वह वास्तविक धरातल पर संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वाह कर सके। उन्होंने कहा कि विधायक अपने क्षेत्र के लिए विधायी कार्य के लिए निर्वाचित किया जाता है। विधानसभा ही उसका प्रभावी मंच है। इससे उसका प्रदेश भर से संपर्क जुड़ता है, भूमिका प्रभावी होती है और संचार माध्यमों का केन्द्र बनता है। विधायक के द्वारा उठायी गयी बात बोला गया मुद्दा समाचार माध्यमों के लिए चर्चा का केन्द्र बनता है। ऐसे में प्रशासकीय तंत्र भी उसकी अनदेखी नहीं कर सकते है। उन्होंने याद दिलाया कि हम सत्ताधारी दल के विधायक है, हमारी जिम्मेदारी और भी अधिक है। सत्र में विषय की स्पष्ट कल्पना तथ्य और आंकड़ों के साथ ही उपस्थित हो इसके लिए हर विधायक को सीखने की ललक होना चाहिए। उन्होंने स्थगन ध्यानाकर्षक याचिका, अशासकीय संकल्प, आधा घंटा की चर्चा, बजट मांग, विधायी

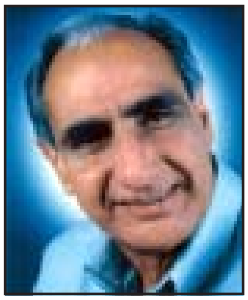

कार्य जैसे अनेक कार्यो की प्रक्रिया के संबंध में विधायकों की जिज्ञासा शांत की और प्रश्नों के उत्तर दिये। प्रदेश अध्यक्ष नरेन्द्रसिंह तोमर ने विक्रम वर्मा का फूल माला से स्वागत किया। प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल माधव दवे ने विक्रम वर्मा का नये विधायकों से परिचय कराते हुए विषय की जानकारी दी।

अपने को प्रासंगिक बनाएं - प्रभात झा

भारतीय जनता पार्टी विधायक वर्ग के दूसरे दिन 11 जनवरी को प्रथम सत्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय सचिव श्री प्रभात झा ने विधायक और मीडिया विषय पर विचार व्यक्त किए। प्रदेश अध्यक्ष नरेन्द्रसिंह तोमर ने उनका स्वागत किया। उक्त अवसर पर मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान, प्रदेश संगठन महामंत्री माखन सिंह चौहान, प्रदेश सह संगठन महामंत्री भगवतशरण माथुर, अरविन्द मेनन, प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल माधव दवे भी उपस्थित थे।

उन्होंने कहा कि मीडिया का सकारात्मक उपयोग करे। आज छवि संग्राम के दिनों में मीडिया के महत्व का कम मूल्याकंन नहीं किया जा सकता है। मीडिया का प्रभाव क्षेत्र बढ़ा है। तथापि मीडिया को राजनीति का हथियार नहीं बनाया जाना चाहिए।

श्री प्रभात झा ने कहा कि आजादी के पूर्व समाचार पत्रों की भूमिका और लक्ष्य आजादी प्राप्त करना था, लेकिन स्वतंत्रता के बाद यह भूमिका और संदर्भ बदल गया है। भूमिका में जितना बदलाव आया है उसी क्रम में महत्व भी बढ़ गया है। मीडिया की नजरें पैनी हुई है। जनप्रतिनिधि पर मीडिया की निगाह रहती है, इसलिए जनप्रतिनिधि अपने सकारात्मक सोच, रचनात्मक पहल और उपलब्धियों के जरिए मीडिया का अधिकतम योगदान प्राप्त कर सकते है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्र में जितना सक्रिय रहेगा और जनसमस्याओं के समाधान में भागीदार बनेगा उसकी छवि उज्ज्वल होंगी। इसका लाभ उसे प्रचार के रूप में भी मिलेगा, लेकिन यदि जनप्रतिनिधि अपने मार्ग से भटकता है तो उस पर मीडिया की नजरें जरूर होंगी।

उन्होंने विधायकों के प्रश्नों का उत्तर दिया और उनकी जिज्ञासाएं शांत की। प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल माधव दवे ने आभार प्रदर्शन किया।

विकास के प्रति जन-जन में जुनून पैदा करें - शिवराजसिंह चौहान

भारतीय जनता पार्टी विधायक वर्ग के दूसरे सत्र को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने कहा कि प्रदेश में सदभावपूर्ण वातावरण का सृजन कर हम विकास के प्रति जुनून पैदा करें और स्वर्णिम मध्यप्रदेश के निर्माण का लक्ष्य पूर्ण करने में जुट जायें। सरकार का गठन सिर्फ सत्ता के

स्वर्ण सिंहासन पर बैठनें के लिए नहीं किया गया है। राजनीति हमारे लिए सामाजिक परिवर्तन का एक माध्यम है इसलिए हमें अपने लक्ष्य की पूर्ति के लिये जुटना है। हमारा लक्ष्य राष्ट्रीय निर्माण जनता की सेवा, दरिद्र नारायण की सेवा और स्वर्णिम मध्यप्रदेश बनाने का है। यह कार्य सिर्फ सरकार नहीं कर सकती है इसके लिए प्रदेश के विधायकों, जनप्रतिनिधियों को इस तरह रचनात्मक पहल करना पड़ेगी की सभी में लक्ष्य प्राप्ति के लिए निष्ठा और समर्पण का भाव जग सके। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान का प्रदेश अध्यक्ष नरेन्द्रसिंह तोमर ने स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने सत्तारूढ़ दल के विधायक की भूमिका पर सारगर्भित विचार व्यक्त किए। अनिल माधव दवे ने सत्र की प्रस्तावना प्रस्तुत की।

विधायक पार्टी का जनचेहरा होता है : रामलाल

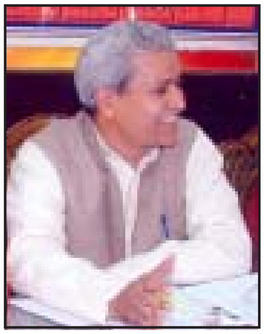

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री रामलाल ने विधायक अभ्यास वर्ग को संबोधित करते हुए कहा कि विधायक पार्टी का पब्लिक फेस है। शालीनता, सजगता और ध्येय के प्रति दृढ़ता को आत्मसात करके वे जनविश्वास प्राप्त कर सकते है। रामलाल ने विविध संगठन विषय पर विस्तार से चर्चा की और बताया कि बीबीसी ने एक कार्यक्रम में दुनिया के सबसे बड़े समाजसेवी संगठन का नाम पूछा था। यह जानकर खुशी होगी कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ही वह संगठन है जो उस प्रश्न का उत्तर था। विविध संगठनों को अपने अंचल में लेकर आरएसएस ने सेवा के अनेकों प्रकल्प आरंभ किए हैं। जिनसे समाज और जनजीवन में सुखद बदलाव आया है। अनेक स्तरों पर इनके कार्यों की प्रशंसा की गयी है। केन्द्र में सरकार चाहे जिस दल की हो किंतु भारतीय मजदूर संघ ही सबसे बड़ा और प्रभावशाली मजदूर आंदोलन माना गया है और उसे जनस्वीकृति मिली है।

उन्होंने आग्रह किया कि जन– प्रतिनिधियों में यह जज्बा पैदा होना चाहिए कि संगठन मेरे लिये नहीं है वरन् मैं संगठन के लिए हूं, पार्टी के लिए हूं, जनहित के कार्यों के लिए हूं। इस भावना से कार्य करके हम स्वर्णिम मध्यप्रदेश का सपना पूरा कर सकेंगे। उन्होंने वैचारिक प्रतिष्ठान की छवि को धूमिल करने के लिए किए जा रहे घृणित प्रयासों और साजिशों के प्रति सतर्क और सावधान रहने का आग्रह किया।

जनप्रतिनिधियों में आत्मविश्वास हो, अहंकार नहीं - लालकृष्ण आडवाणी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने भारतीय जनता पार्टी विधायक प्रशिक्षण वर्ग का समापन करते हुए पार्टी विधायक दल, पार्टी कार्यकर्ताओं और प्रदेश की जनता को विधानसभा चुनाव में पार्टी की शानदार विजय के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि नियति ने हमें सरकार बनाने का जो गौरवशाली अवसर दिया है, भगवान के प्रति कृतज्ञता भाव से जनता की सेवा में समर्पित हो। स्वच्छ आचरण प्रस्तुत करेंगे साथ ही हमारी छवि भी उसी तरह की दृष्टिगोचर होगी। उन्होंने कहा कि भाजपा एक राजनैतिक दल ही नहीं, राष्ट्रवादी आंदोलन का एक हिस्सा है जिसके उत्पाद के रूप में पंडित दीनदयाल उपाध्याय, कुशाभाऊ ठाकरे, अटलबिहारी वाजपेयी, जोशी जी जैसे अनेक समर्पित व्यक्तिव्य हमें सुलभ हुए है। हमें उनकी त्याग तपस्या और बलिदान के अनुरूप अपने आप को ढालना है और देश को वैभव के परम शिखर पर पहुंचाने के लिए निशियाम समर्पित रहना है। श्री लालकृष्ण आडवाणी ने भारतीय जनसंघ से लेकर भारतीय जनता पार्टी तक की प्रगति यात्रा का उल्लेख करते हुए बताया कि हमारा संगठन अन्य सभी राजनैतिक दलों से अलग है। पार्लियामेंट्री डेमोक्रेसी में सामान्यतः जनसमर्थन के आधार पर सत्ता प्राप्त करने की होड़ लगी हुई है। विदेशों में भी यही उनका राजनैतिक शास्त्र है। परंतु भारतीय जनता पार्टी का राजनैतिक शास्त्र राष्ट्रवाद के ऊपर आधारित है। हम राष्ट्रवाद के प्रमुख प्रबल प्रवर्तक के रूप में देशभक्ति की भावना को चरितार्थ करना चाहते है और देश को वैभव के परम शिखर पर पहुंचाने के लिए राष्ट्रवाद के संस्कार पैदा करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय जनता पार्टी इसी मायने में एक आंदोलन है।

श्री आडवाणी ने वर्ग में भाग ले रहे विधायकों से पूरी प्रामाणिकता, परिश्रमशीलता, विनम्रता से आगे बढ़ने का आह्वान करते हुए कहा कि उन्हें आत्मविश्वास और अहंकार के बीच एक सीमा रेखा पहचानना होगी और अपने संपर्क में आने वाले हर व्यक्ति से हर व्यक्ति को विनम्रता का परिचय देना होगा। उन्होंने कहा कि देश में भाजपा जहां–जहां सत्ता में रही वहां–वहां विकास और जनकल्याण हुआ इसलिए जनप्रतिनिधि अपने–अपने क्षेत्र के रोल मॉडल बनें। हमें संकीर्णता, संकुचितता से बचकर व्यापक नजरिए से राष्ट्र सेवा के लिए अपने को समर्पित करना चाहिए। श्री आडवाणी ने मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव की विजय पर जन–जन का आभार व्यक्त किया और बधाई दी और आशा व्यक्त की कि लोकसभा चुनाव में भी इसी तरह की शानदार विजय प्राप्त होगी। कैलाश विजयवर्गीय ने विधायक अभ्यास वर्ग में पधारने के लिए अतिथियों का आभार व्यक्त किया। प्रदेश अध्यक्ष नरेन्द्रसिंह तोमर ने श्री आडवाणी का स्वागत करते हुए बताया कि प्रदेश में विधानसभा चुनाव में विजय प्राप्त करने के साथ ही संगठन ने तीन माह की कार्ययोजना का रूपांकन कर उस पर अमल आरंभ कर दिया है और लोकसभा चुनाव में पार्टी को अच्छी सफलता सुनिश्चित होगी। उक्त अवसर पर राष्ट्रीय संगठन महामंत्री रामलाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विक्रम वर्मा, राष्ट्रीय सचिव प्रभात झा, मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान, वरिष्ठ नेता सुंदरलाल पटवा, कैलाश जोशी सहित प्रदेश के सभी वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे। प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल माधव दवे ने दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग के सत्रों की प्रगति से आडवाणी जी को अवगत कराया। ■

संगठन

मार्क्सवादी सांसद ने की मोदी की तारीफ

X|जरात के मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी भले ही देश के कम्युनिस्टों की नफरत के निशाने पर बने हुए हैं, लेकिन केरल में मार्क्सवादियों की युवा जमात के नेता, कन्नूर से सांसद ए. पी.अब्दुल्लाकुट्टी ने हाल ही में यह कहकर खलबली मचा दी है कि केरल को विकास के मामलों में मोदी से सीखना चाहिए।

अनेक विषयों पर अपनी पार्टी और पार्टी के नेताओं से अलग मत रखने वाले इस युवा कम्युनिस्ट नेता ने दुबई में इंडियन मीडिया फोरम द्वारा आयोजित 'प्रेस से मिलिए' कार्यक्रम में जब यह बयान दिया तो यहां केरल में अच्छा खासा विवाद खड़ा हो गया। एक समाचार पोर्टल ने अब्दुलकुट्टी के बयान को यूं उद्धृत किया– 'मोदी ने गुजरात को विकास के मामलों में सभी राज्यों से ऊपर पहुंचा दिया है जिसमें उनकी कारगर नीतियों और उनके क्रियान्वयन का काफी हाथ है।' मार्क्सवादी सांसद ने कहा, 'पश्चिम बंगाल से नैनो कार प्रोजेक्ट वापस लाने वाले टाटा को जिस तरह से गुजरात ने आकर्षित किया वह इसका एक बेहतरीन उदाहरण है। केरल को इससे सबक सीखना चाहिए।'

अब्दुलकुट्टी ने आगे कहा, 'पूंजी निवेशकों को आकर्षित करने के मामले में केरल (अन्य राज्यों से) बहुत पिछड़ा हुआ है। बेवजह की हड़तालें, ढांचागत सुविधाओं का अभाव और गलत विकास नीतियां ऐसे कुछ कारण हैं जिनकी वजह से केरल न निवेशकों को आकर्षित कर पा रहा है, न विकास कर पा रहा है। लेकिन नरेन्द्र मोदी (अन्य राज्यों से) पूंजीनिवेशकों को आकर्षित करने और उन्हें जरूरी सहायता उपलब्ध कराने में बहुत आगे हैं। ये पूछे जाने पर कि क्या उनके जैसे मार्क्सवादी द्वारा नरेन्द्र मोदी जैसे व्यक्ति, जिसे मार्क्सवादी 'साम्प्रदायिक' कहते हैं, की प्रशंसा करना ठीक है? इस पर अब्दुलकुट्टी ने कहा कि ऐसी चीजों से घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, 'उन्हें ऐसी चीजों को नहीं देखना चाहिए।' उन्होंने यह भी कहा कि जहां तक विकास का विषय है मोदी ने एक बड़ी सफलता प्राप्त की है। मार्क्सवादी अब्दुलकुट्टी मजहब में आस्था को लेकर पहले भी मार्क्सवादी नेतृत्व की त्यौरियां चढ़ा चुके हैं। उन्होंने अपनी पार्टी के नेताओं का गुस्सा पहली बार उस समय न्योता था जब वह हड़तालों के विरुद्ध बोले थे। उन्होंने मार्क्सवादी पार्टी में तब भारी बहस छेड़ दी थी जब वह मक्का में उमरा करके आए थे और उसके बाद मीडिया के जरिए उन्होंने मजहब में विश्वास व्यक्त किया था। वह पिछली ईद पर कन्नूर के ईदगाह में नमाज पढ़ने गए थे, जिससे मार्क्सवादियों को घोर आश्चर्य हुआ था। एक बार उन्होंने अपनी पार्टी को यह कहकर चौंका दिया था कि जब उनकी अम्मी का इंतकाल हुआ था तब उन्होंने, कम्युनिस्ट होने के नाते, 'मय्यत नमस्कारम्' की रस्म नहीं निभाई थी, लेकिन जब उन्होंने अपनी पार्टी के दूसरे नेताओं को, जिन्होंने उन्हें यह न करना सिखाया था, अपने परिजनों की मृत्यु के अवसर पर यही करते देखा तो उन्हें बहुत निराशा हुई थी। ■

मोदी की तारीफ करना पड़ा महंगा

अब्दुल्ला कुट्टी माकपा से निलंबित

गुजरात के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास के माडल की तारीफ करने पर माकपा के कन्नूर से सांसद ए.पी. अब्दुल्ला कुट्टी को पार्टी से निलंबित कर दिया गया। माकपा सूत्रों ने कहा कि यह फैसला पार्टी की कन्नूर जिले की क्षेत्रीय समिति ने किया जिसके अब्दुल्ला कुट्टी भी एक सदस्य हैं। पार्टी ने पूर्व में उनसे पूर्व में दिए बयान पर स्पष्टीकरण मांगा था। अब्दुल्ला कुट्टी ने अपनी दुबई यात्रा के दौरान भगवा पार्टी के नेता की गुजरात के विकास के लिए की गई कोशिशों की तारीफ की थी। उन्होंने पार्टी को दिए अपने जवाब में कहा था कि वह अपनी टिप्पणी पर कायम हैं।

vgenkckn ¼xqtjkr½ esa vk;ksftr vUrjk"Vªh; irax mRlo&2009 dk 'kqHkkjEHk djrs eq[;ea=h Jh ujsUæ eksnh

25 लाख लोगों को रोजगार, 12 लाख करोड़ का निवेश : नरेंद्र मोदी

Xजरात सरकार द्वारा आयोजित वायब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट–09 के समापन अवसर पर मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की कि इस बार के आयोजन में अब तक के सभी रिकार्ड टूटे हैं। अब तक के पिछले तीनों समिट में जितनी राशि के एमओयू हुए उसके तीनों के जोड़ से कहीं अधिक इस चौथे समिट में करार किये गये। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि यह उस समय का आयोजन है जब कि समूचा विश्व मंदी की मार झेल रहा है और गुजरात पूंजी निवेश का स्थल बन गया है।

मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुल करार हुए निवेश की राशि की घोषणा करते हुए कहा कि इसे वैश्विक निवेश की पृष्ठभूमि में देखा जाना चाहिए। आज जबकि पूरा विश्व मंदी की मार झेलने को विवश है, गुजरात पूंजी निवेश का स्थल बना हुआ है। उन्होंने इसे विश्व की अर्थव्यवस्था में नये परिवर्तन का आगाज बताया। उन्होंने संभावना जताते हुए कहा कि इस पूंजी निवेश से राज्य के 25 लाख युवकों को रोजगार के अवसर पैदा होंगे। श्री मोदी ने कहा कि गुजरात सरकार द्वारा आयोजित इस वैश्विक निवेश समिट में जहां पिछले तीन समिटों में कुल 192 बिलियन डॉलर के निवेश संबंधी करार हुए वहीं इस चौथे समिट में तीनों के योग से अधिक 241 बिलियन डालर के करार यह साबित करता है कि गुजरात मंदी के माहौल में भी अपवाद है। इस अवसर पर जहां जानेमाने उद्योगपतियों ने अपनी उपस्थिति दी वहीं देश–विदेश के कई राजनयिकों सहित युगांडा के उपराष्ट्रपति गिलबर्ट भी उपस्थित रहें। समारोह में आकर्षण के रूप में प्रसिद्ध उद्योगपति अनिल अंबानी रहे। समिट के पहले दिन अनिल के भाई मुकेश अंबानी पहले ही आ चुके थे। इससे पूर्व समिट का लेखा–जोखा रखते हुए राज्य सरकार के उद्योग विभाग के प्रधान सचिव एम.साहु ने जानकारी दी कि दो दिनों तक चले समिट में 13 देशों के छह सौ प्रतिनिधि शरीक हुए। वहीं 45 देशों और 80 कंपनियों के लोगों ने इसमें भाग लिया। साहु ने बताया कि दो दिनों तक चले समारोह में 90 हजार लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। तीन सौ अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने प्रदर्शनी का दौरा किया। 16 देशों की कंपनियों ने प्रदर्शनी में अपने उत्पादों की प्रदर्शनी लगायी। प्रदर्शनी में 232 स्टॉल लगाये गये थे।

श्री साहु ने कहा कि प्रदर्शनी का आकर्षण टाटा का नैनो कार के अलावा बॉबडियर कंपनी का मेट्रो रेल का कोच रहा। समिट के दरम्यान दो दिनों तक मुख्यमंत्री से मिलने वाले प्रतिनिधिमंडल की संख्या की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि श्री मोदी दो दिनों तक सायंस सिटी में ही रहे और 17 देशों के प्रतिनिधिमंडल से इन्होंने मुलाकात की। समिट में करीब बीस हजार रजिस्ट्रर्ड विजिटर्स रहे। इसमें छह सौ विदेशी प्रतिनिधि भी शामिल हुए। समापन अवसर पर जहां जापान और भारत की संयुक्त संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये वहीं इस अवसर पर मोदी मंत्रिमंडल के तमाम सदस्यों सहित गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष अशोक भट्ट और देश–विदेश के प्रमुख राजनयिक उपस्थित रहे।

नरेंद्र मोदी इज बेस्ट लीडर ऑफ इंडिया : अनिल अंबानी

'राज्य का विकास देश के लिए है, हमें ऐसा कर भारत को विश्व मानचित्र पर विकासशील देश से विकसित देशों की श्रेणी में लाना है।' राज्य के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी के इस वाक्य को सभी भारतीय प्रमुख उद्योगपतियों ने सायंस सिटी में आयोजित वायब्रंट गुजरात ग्लोबल समिट–2009 में खूब सराहा और मोदी की प्रशासनिक क्षमता की तारीफ की।

अंबानी ग्रुप के अनिल अंबानी ने कहा कि समग्र विश्व में मंदी की मार झेल रहा है, वहीं गुजरात में अलग प्रकार का स्पंदित माहौल देखने को मिल रहा है। उन्होंने मोदी को देश का अगला नेता भी बताया। अंबानी के इस कथन का देश और विदेश के मेहमानों ने जोरदार तालियां बजा कर स्वागत किया। रतन टाटा ने नरेंद्र मोदी की कार्यशैली और प्रतिबद्धता की भूरी–भूरी प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि नैनो कार प्रोजेक्ट में उन्हें इसका अनुभव हो चुका है। उन्होंने कहा कि गुजरात का अनुभव उनके जीवन का पहला अनुभव था, जब किसी राज्य के मुख्यमंत्री ने उन्हें तीन दिनों में प्रोजेक्ट के लिए जमीन उपलब्ध कर दिया। उन्होंने कहा कि आमतौर पर लोग 30 दिन यो 90 दिनों में जमीन मुहैया कराने की बात करते हैं, लेकिन मोदी ने तीन दिन में यह काम कर दिखाया। आदित्य बिडला समूह के अध्यक्ष कुमारमंगलम बिडला ने कहा कि वे पहले से गुजरात में है और गुजरात में रह कर उन्हें काफी अनुकूल माहौल मिला। उनकी नसीहत तो यह है कि यदि आप गुजरात में निवेश नहीं कर

रहे, तो आप भारत में निवेश नहीं कर रहे। रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष मुकेश अंबानी ने गुजराती में कहा कि आम गुजरातियों में इतनी सामर्थ्य होती है कि वह पत्थर में लात मार कर पानी निकाल सकता है। उन्होंने मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी की दृष्टि की प्रशंसा करते हुए कहा कि राज्य ने उनके नेतृत्व में भारी प्रगति की है। मोदी के कारण राज्य में नया विश्वास पैदा हुआ है। यहां का आधारभूत ढांचा, दृढ निश्चय, निवेश के लिए अनुकूल माहौल लोगों को यहां आने को विवश कर रहा है। अंबानी ने कहा कि मंदी के दौर में भी लोग गुजरात में निवेश कर रहे हैं, यह बड़ी बात है। आईसीआईसीआई के पूर्व प्रमुख के.वी. कामत ने कहा कि गुजरात के लीडर की न केवल पैनी दृष्टि है, बल्कि साथ ही वे कठोर परिश्रम भी करते हैं। उन्होंने गुजरात में अनुभव किया कि यहां जो भी योजनाएं –परियोजनाएं होती हैं, उन्हें अंत तक लागू करने का एक प्रयास किया जाता है। एस्सार समूह के अध्यक्ष शशि रूइयां ने कहा कि सात वर्ष उन्होंने गुजरात में हजीरा प्लांट स्थापित किया था। पिछले वर्षों में जो गुजरात ने तरक्की की है, उसके पीछे एक योग्य नेतृत्व का हाथ है।

उन्होंने मोदी पर देश की बड़ी जिम्मेदारी देने की इस अवसर पर वकालत भी की।

जापान का कंट्री पार्टनर बनना एशियाई अर्थव्यवस्था के लिए टर्निंग प्वाइंट : मोदी

मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि वायब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट–2009 में जापान का राज्य के साथ कंट्री पार्टनर के रूप में जुड़ना बडी घटना है। उन्होंने आशा जताते हुए कहा कि ऐसा होना समूची एशियायी अर्थव्यवस्था के इतिहास के लिए टर्निंग प्वाइंट के समान है।

श्री मोदी वायेब्रंट गुजरात ग्लोबल समिट–2009 के मेगा एक्जिबिशन के उदघाटन अवसर पर बोल रहे थे। करीब 11 हजार वर्गमीटर क्षेत्र में फैले एक्जिबिसन में विभिन्न कंपनियों के 227 स्टॉल लगे हुए हैं। साथ ही इसमें 16 देशों की कंपनियां के उत्पाद संबंधी प्रदर्शनी भी शामिल है। वायब्रेंट गुजरात महोत्सव का आर्किटेक्ट गुजरात की साढे पांच करोड जनता को बताते हुए श्री मोदी ने इस अवसर पर कहा कि केंद्र सरकार द्वारा आयोजित प्रवासी भारतीयों के संम्मेलन में उन्हें हर बार जाने का अवसर मिला। लेकिन लोग गुजरात की ओर आने के लिए विशेष रूप से उत्सुक दिखते हैं। इसका कारण बताते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में कुछ ऐसा है जिससे कि जो भी यहां आता है वह कुछ पाता ही है। चाहे वह किसी देश के रूप में ही क्यों ना आये। प्रदर्शनी के महत्व को इंगित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि यह एक गाइड के समान है, जो कि लोगों को जानकारी देने के साथ ही शिक्षित भी करेगा। साथ ही इसमें अधिक महत्व की बात है कि यह लोगों को उद्यमी बनने के लिए प्रेरित करेगा। प्रदर्शनी में राज्य के युवाओं को बढ़ चढ़ कर भाग लेने के लिए आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शनी में राज्य के भविष्य की योजनाएं छिपी हुई है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि सरकार का काम विभिन्न कंपनियों के प्रोडक्ट को बेचने के लिए मार्केटिंग करना नहीं।

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि राज्य में यदि टाटा का नैनो प्रोजेक्ट आता है या फिर जापानी कंपनी बाम्बाइडिया का मेट्रो ट्रेन के कोच का कारखाना लगता है तो यह राज्य के गुड गवर्नेंस का परिचायक खुद ब खुद बन जाता है। गुजरात को उत्पादन में देश का अव्वल राज्य बताते हुए उन्होंने कहा कि राज्य अब चाइना के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहा है।

उन्होंने आशान्वित लहजे में कहा कि वह दिन दूर नहीं जब दुनिया में जो कुछ भी अच्छा होगा वह गुजरात की धरती पर ही होगा। राज्य के विकास को देश के साथ जोड़ते हुए उन्होंने कहा कि राज्य के साथ–साथ देश का विकास हो, ऐसी उनकी कल्पना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात भविष्य में देश के अन्य राज्यों के लिए विकास का रास्ता दिखाने वाले राज्य के रूप में शुमार किया जाये, ऐसी उनकी कल्पना है।

इससे पूर्व स्वागत भाषण करते हुए राज्य के उद्योग विभाग के प्रधान सचिव एम.साहू ने विदेशी उद्योगपतियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि राज्य उनके पूंजी निवेश को सुरक्षित करने के साथ ही उन्हें राज्य की तरफ से हर सुविधा सहजता के साथ मुहैया करायेगा। इस अवसर पर मुख्य सचिव डी. राजगोपालन ने भी अपना वक्तव्य रखा। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष अशोक भट्ट, उद्योग मंत्री सौरभ पटेल सहित राज्य मंत्रिमंडल के सभी सदस्य उपस्थित रहें।

निवेशकों की पहली पसंद बना ऊर्जा सेक्टर

ऊर्जा सेक्टर वायब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट–09 में निवेशकों के लिए पहली पसंद बना रहा। रकम के लिहाज से इसमें सबसे अधिक निवेश संबंधी करार किये गये। ऊर्जा सेक्टर में कुल 29 एमओयू (मेमोरेंडम ऑफ अन्डरस्टेंडिंग) किये गये, जिसमें 2 लाख 3 हजार 595 करोड़ के निवेश की घोषणा की गयी।

वहीं प्रोजेक्ट के लिहाज से सबसे अधिक पसंदीदा क्षेत्र पीसीपीआइआर रहा, इसमें 107 प्रोजेक्ट राज्य में आये हैं। एसईजेड के विकास के लिए 17 प्रोजेक्ट राज्य सरकार के साथ करार किये गये जिससके तहत 77 हजार 248 करोड की राशि निवेश की जायेगी। बंदरगाहों के विकास के लिए 63 प्रोजेक्ट पर करार हुए हैं, जिसके तहत 70 हजार 310 करोड़ की राशि निवेश की जायेगी। वहीं पर्यटन व अन्य क्षेत्रों के लिए 94 एमओयू किये गये हैं। इसमें निवेश की राशि 42 हजार 568 करोड़ रुपये होगी। औद्योगिक पार्क के लिए 12 प्रोजेक्ट पर करार हुए है, जिसमें 7 हजार 910 करोड़ की राशि निवेश की जायेगी। आईटी के क्षेत्र में 19 प्रोजेक्ट पर एमओयू हुए जिसके तहत 46 हजार 7 करोड की राशि निवेश होगी। तेल और गैस के क्षेत्र में 16 प्रोजेक्ट साइन किये गये।

इसमें होने वाले निवेश की राशि 43 हजार 35 करोड़ है। जल और लॉजिस्टिक क्षेत्र में 14 एमओयू के तहत 22 हजार 290 करोड़ की राशि निवेश की जायेगी। गैर पारंपरिक ऊर्जा के क्षेत्र भी निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बने और इसमें 67 एमओयू साइन हुए। इस तरह इस क्षेत्र के लिए 1 लाख 2 हजार 922 करोड़ की राशि निवेश होगी। एसआईआर में 3 प्रोजेक्ट पर करार हुए और इसमें 1 लाख करोड़ की राशि निवेश की जायेगी। आधारभूत संरचना के लिए सड़क क्षेत्र के लिए भी एमओयू किये गये। इसमें 5 हजार 68 करोड़ की राशि के 3 एमओयू साईन किये गये। ■

मांगी थी रोटी और मिला पैकेज

lfe=k egktu

eदी हो या कोई अन्य आर्थिक समस्या, आवश्यकता है एक सुनियोजित, सुपरिभाषित और परिणामोन्मुख कार्ययोजना की, जो न सिर्फ आज की समस्याओं का समाधान करे बल्कि आने वाले समय की संभावित समस्याओं की पहचान कर उनका भी समाधान करने की क्षमता रखे। यह महत्वपूर्ण है कि सरकारी राहत पैकेज के लिए प्राथमिकता के आधार पर उचित उत्पादकता वाले क्षेत्रों का चयन हो।

भारत की अर्थव्यवस्था को क्रयशक्ति के आधार पर विश्व की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था माना जाता है किंतु अमेरिकी डॉलर के विनियम मूल्य के आधार पर लगभग ग्यारह खरब डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद के कारण हमें दसवीं बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा प्राप्त है। आज वैश्विक अर्थव्यवस्था में मंदी का दौर है। इस दौर से हमारी अर्थव्यवस्था भी अछूती नहीं है तथा इस मंदी के दुष्प्रभावों का दौर शुरू हो चुका है इस दौर से निपटने के लिए कई देशों ने अपने यहां आवश्यक कदम उठाए हैं जो कि उनकी अर्थव्यवस्था के अनुकूल हैं। हमारे देश में भी केंद्र सरकार द्वारा आए दिन नाना प्रकार के उपायों की घोषणा की जा रही है किंतु इन उपायों में व्यावहारिक पक्ष का बोध कम ही हो रहा है। इन उपायों के पीछे किताबी दृष्टिकोण अधिक नजर आता है बजाय कि आमजन की तकलीफों को दूर कर सकने वाला परिणामोन्मुख प्रयास।

मंदी से उबरने के लिए अर्थशास्त्रियों ने कई प्रकार के सिद्धांत प्रतिपादित किए हैं। इनमें मुख्य तौर पर सरकार द्वारा ही वृहद वित्तीय पैकेज की बात कही जा रही है अर्थात बाजार में मुद्रा की उपलब्धता बढ़ाने हेतु सरकारों द्वारा खर्च करना। यह खर्च या वित्तीय पैकेज हजारों करोड़ रुपयों का है, जो कि सरकार के पास आम जनता से ही आए हैं। ये पैकेज खर्च करने के लिए एक समग्र तथा व्यापक कार्ययोजना की नितांत आवश्यकता है। इस कार्ययोजना के मसौदे को अंतिम रूप देने से पहले यह अतिआवश्यक है कि हम हमारी प्राथमिकताओं को तय कर लें।

गत कुछ सप्ताहों में केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कदमों को हम देखें तो हमारी प्राथमिकताओं के संबंध में विस्तृत सोच का अभाव स्पष्टतौर पर खटकता है। आज नागरिक उड्डयन के क्षेत्र में हल्ला मच रहा है तो एक पैकेज घोषित कर दो। कल अधोसंरचना तथा स्थावर संपदा क्षेत्र में मंदी के शिकार हुए तो दूसरे पैकेज दे दो। केंद्र सरकार वित्तीय पैकेज जैसे अस्त्र का उपयोग केवल अस्थायी व तात्कालिक उपाय के बतौर कर रही है और इस सबके लिए जिम्मेदार है सरकार में राजनीतिक इच्छाशक्ति की गैरमौजूदगी तथा जन आकांक्षाओं को समझ पाने की अक्षमता।

> ***केंद्र सरकार वित्तीय पैकेज जैसे अस्त्र का उपयोग केवल अस्थायी व तात्कालिक उपाय के बतौर कर रही है और इस सबके लिए जिम्मेदार है सरकार में राजनीतिक इच्छाशक्ति की गैरमौजूदगी तथा जन आकांक्षाओं को समझ पाने की अक्षमता।***

हमारे यहां किसी भी उपाय का अंतिम परिणाम क्या हुआ, यह जानने की कोशिश ही नहीं की जाती। कुछ समय पहले विदर्भ के किसानों के लिए केंद्र द्वारा ऐसा ही एक पैकेज घोषित किया गया था। इस पैकेज का कार्यान्वयन बिल्कुल भी ठीक तरीके से नहीं हुआ। केंद्र सरकार को आज यह पता लगाने की कोशिश करनी चाहिए कि क्या विदर्भ का किसान खुशहाल हो गया? क्या सरकारी मदद उसके लिए औचित्यपूर्ण व पर्याप्त थी? क्या आत्महत्याएं बंद हो गईं? विदर्भ में आवश्यकता थी किसानों को सीधी सहायता उपलब्ध कराने की और हुआ क्या, बहुत सारा पैसा किसानों के कर्ज की क्षतिपूर्ति के पेटे में सहकारी बैंकों को दे दिया गया। किसानों को जर्सी गाएं उपलब्ध कराई गईं। जब किसान के ही पास खाने को कुछ नहीं है तो बेचारा गायों को क्या खिलाता? अंत में ये गाएं औने–पौने दामों में सक्षम लोगों के पास पहुंच गईं। आवश्यकता थी किसानों को खाद, बीज आदि सामग्री आवश्यकतानुसार उपलब्ध कराने की और व्यवस्था हुई खाद–बीज हेतु सस्ते कर्जों की। किसान सिर्फ यही चाहता है कि समय पर खाद–बीज इत्यादि उपलब्ध हो और फसल का उचित मूल्य उसे मिले। क्या उक्त पैकेज से ये दो मूलभूत समस्याएं हल हो गईं? जाहिर है नहीं। समस्या का हल तो व्यावहारिक कदम उठाने से ही होगा ।

कहने की आवश्यकता नहीं है कि सैद्धांतिक रूप से किसानों का पैकेज व्यावहारिक तौर पर सहकारी बैंकों का पैकेज बन गया। अब बात हो रही है अधोसंरचना तथा स्थावर संपदा क्षेत्र में 20 हजार करोड़ के पैकेज की। आज स्थावर संपदा क्षेत्र में हुए निवेश का बड़ा हिस्सा मुनाफा कमाने के लालच में किया गया है और सत्ता के गलियारों में तो आम चर्चा है कि यह पैसा भले ही मॉरिशस जैसे देशों के रास्ते आया हो, पर यह है हमारे राजनीतिज्ञों की काली कमाई। आज जरूरत है कि ऐसे निवेश पर लगाम कसी जाए। चीन ने ऐसा सफलतापूर्वक कर दिखाया है।

आजकल पांच से बीस लाख तक के गृह ऋणों पर सस्ती दर पर कर्ज देने की भी बात हो रही है। सोचने वाली बात यह है कि आज कितने शहरों में संपत्तियां इस मूल्य वर्ग में उपलब्ध हैं? जिस आय वर्ग के लोग इन कर्जों को लेते हैं, वह खींचतान कर ही इसकी किस्त चुकाता है। बाजार का हल्का–सा भी झटका इनकी योजनाओं को तार–तार कर देता है। लगता है कि यह पैकेज भी घर खरीदने वाली जनता के बजाय कर्ज देने वाली संस्थाओं और निवेश

करने वाले समूहों का पैकेज बन जाएगा।

आज हम मंदी के इस दौर को केवल आर्थिक समस्या मानने की भूल कर रहे हैं जबकि इसके सामाजिक पहलू भी हैं। आज विदेशों में वर्षों से कार्यरत कई भारतीय देश लौटने को मजबूर हैं। यहां देश के अंदर भी असंख्य लोग अपनी नौकरियां खो चुके हैं। बेरोजगारी का दानव मुंह फाड़े खड़ा हो रहा है। दूसरी ओर कई लोगों का वेतन आधा हो गया है। सूचना प्रौद्योगिकी, वित्त आदि कई क्षेत्रों में लोगों को बीस लाख रुपए सालाना तक के पैकेज मिले किंतु साथ में सस्ते कर्जों के भी पैकेज आ गए। नवधनाढ्य युवा वर्ग ने दोनों पैकेजों को हाथोंहाथ लिया। सस्ते कर्जों के लालच में फंसकर हम में से कई परिवार भौतिकवाद के गुलाम हो चुके हैं, परंतु वेतन में कटौती की वजह से आज किस्तें चुकाने के लिए पैसा नहीं है। इस तरह की सामाजिक विषमताएं हमारे बीच अपराध को ही बढ़ावा देंगी। बेरोजगारी जन्म देती है कुंठा को और कुंठाग्रस्त सुशिक्षित बेरोजगार समाज के लिए कितनी घातक सिद्ध हो सकता है, यह सभी जानते हैं। परिवार की दृष्टि से देखें तो आर्थिक परेशानियां जन्म देती हैं कौटुंबिक परेशानियों को। कौटुंबिक बिखराव जन्म देता है सामाजिक टूटन को और सामाजिक टूटन की परिणति सांस्कृतिक ह्रास के रूप में होती है। अतएव यह आवश्यक है कि हम इस मंदी को सिर्फ आर्थिक समस्या नहीं मानते हुए सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक समस्या भी मानें।

आज हम सब कहीं न कहीं मंदी के मारे हैं। किसी न किसी रूप में हम सब पीड़ित व व्यथित स्थिति में हैं। स्वाभाविक रूप से हमें इससे उबारने की प्राथमिक जिम्मेदारी हमारी केन्द्र सरकार की हैं। मंदी हो या कोई अन्य आर्थिक समस्या, आवश्यकता है एक सुनियोजित, सुपरिभाषित और परिणामोन्मुख कार्ययोजना की, जो न सिर्फ आज की समस्याओं का समाधान करे बल्कि आने वाले समय की संभावित समस्याओं की पहचान कर उनका भी समाधान करने की क्षमता रखे। यह महत्वपूर्ण है कि सरकारी राहत पैकेज के लिए प्राथमिकता के आधार पर उचित उत्पादकता वाले क्षेत्रों का चयन हो।

हमारी अर्थव्यवस्था कृषि आधारित है तो फिर हमें आज उड्डयन और सूचना प्रौद्योगिकी के आनुषंगिक क्षेत्रों के पहले कृषि तथा कृषि आधारित मूल क्षेत्रों को तरजीह देनी होगी और हमें उड्डयन और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्रों को कृषि जैसे क्षेत्रों से जोड़ना होगा। नागरिकों के लिए सस्ते हवाई सफर से पहले हमें कृषि उत्पादों के निर्यात हेतु उचित वायु मार्ग अधोसरंचना के बारे में सोचना होगा। सूचना व संचार क्रांति का उपयोग हमें ऑनलाइन बैंकिग से पहले किसानों को मौसम व फसल के भावों की जानकारी देने हेतु करना सीखना होगा। कृषि के ही साथ–साथ हमें अपने लघु उद्यमों के उन्नयन के लिए भी सोचना होगा। हमें अपनी प्राथमिकताएं सही तौर पर सुनिश्चित करना होंगी और विकसित देशों का अंधानुकरण बंद करना होगा।

केन्द्र सरकार को चाहिए कि इस समय वह अपने अफसरों के कथित विश्लेषणात्मक सामर्थ्य, लक्ष्य निर्धारण निपुणता और नियोजन क्षमता के ही भरोसे बैठी न रहे बल्कि जन आकांक्षाओं के अनुरूप, सीधे जनता को लाभ पहुंचाने वाले उपाय क्रियान्वित करे और इस संबंध में अपने तंत्र को सुस्पष्ट उद्देश्य बताए कि किसी भी उपाय का लक्ष्य समूह कौन है जिससे कि वह उपाय परिणामकारी हो सके।

(लेखिका भाजपा की वरिष्ठ सांसद है)

जनजातियों के हित में कदम नहीं उठा रही केन्द्र सरकार

भारतीय जनता पार्टी, अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अनन्त नायक की अध्यक्षता में भाजपा केन्द्रीय कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक में श्री अनन्त नायक ने कहा कि भारतीय संविधान में लोकसभा में अनुसूचित जनजाति के लिए 42 सीटें आरक्षित थीं जो अब परिसीमन के पश्चात बढकर 47 हो गई हैं। वर्तमान लोकसभा में भाजपा के 16 सांसद और राज्य सभा में 3 और एक सांसद अनारक्षित सीट से हैं।

बैठक में मोर्चे के राष्ट्रीय प्रभारी एवं पूर्व सांसद माननीय बापू देवदास आप्टे जी ने कहा कि पूरे देश में आगामी फरवरी महीने तक सभी प्रदेशो के मोर्चा की बैठक कर पूरे संगठन को चुस्त–दुरस्त कर संगठन को मजबूत किया जाएगा। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) ने इस अवसर पर अपने उदबोधन में कहा कि हमें आत्मचिन्तन कर भविष्य की रणनीति तय कर अधिकतम जनजाति सीटों पर जीतना है। जनजातियों के हित में यू0पी0ए0 की जगह एन0डी0ए0 की सरकार बनाने की आवश्यकता है। एन0डी0ए0 ने जनजातियों के उत्थान के लिए बहुत काम किया है।

बैठक के समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए भाजपा राष्ट्रीय सचिव एवं राज्यसभा सांसद एवं वरिष्ठ जनजाति नेता कान्जीभाई पटेल ने कहा कि वन अधिकार जैसे अधिनियम के प्रति यू0पी0ए0 सरकार संवेदनशील नहीं है, न ही वह जनजातियों के हित में है। हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में जहां कई स्थानों में जनजातियों सीटों पर परिणाम संतोषजनक रहा वही राजस्थान में संगठन पीछे भी गया है। इसकी भी चिन्ता कर समीक्षा कर आने वाले लोकसभा चुनावों में अधिकतम सीटें जिताकर केन्द्र में सरकार बनाने के लिए सहभागी बनना चाहिए।■

जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटना जरूरी : लालकृष्ण आडवाणी

लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता श्री लालकृष्ण आडवाणी द्वारा जैन अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार संगठन अहमदाबाद में 10 जनवरी को दिया गया भाषण

जैन अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संगठन के विश्व सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में मुझे आमंत्रित करने के लिए मैं इसके आयोजकों को धन्यवाद देता हूं। सबसे पहले, मैं आपको नववर्ष की शुभकामनाएं और मकर संक्राति, जो चार दिन बाद आने वाली है, की हार्दिक मंगलकामनाएं भी देता हूं।

मैंने फिक्की, सी.आई.आई. और एसोचेम जैसे व्यापार मंचों के कई सम्मेलनों में हिस्सा लिया है। ये संगठन लगभग पूरी तरह से व्यापार और अर्थव्यवस्था पर केन्द्रित हैं। लेकिन आपका सम्मेलन उनसे भिन्न है क्योंकि जैन अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संगठन व्यापारिक मुद्दों से ही सरोकार नहीं रखता है बल्कि इसका दृष्टिकोण और गतिविधियां काफी व्यापक तथा अधिक समग्र हैं जो जीवन और समाज के कई अन्य पहलुओं को समेटे हुए हैं। जैन अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार संगठन का दर्शन पांच पुनीत प्रतिबद्धताओं पर आधारित है : सेवा, शिक्षा, आर्थिक सुधार, सामाजिक उत्कर्ष और आध्यात्मिक उन्नति। मैं आपके संगठन की सराहना करता हूं कि यह इनमें से प्रत्येक क्षेत्र के कार्यक्रमों को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित कर रहा है।

जैन धर्म का जीवन के प्रति समग्र दृष्टिकोण

जीवन के प्रति समग्र दृष्टिकोण अपनाना कोई आश्चर्य की बात नहीं है क्योंकि जैन धर्म स्वयं ही जीवन के प्रति एक गहन और समग्र दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। जैन धर्म के आदर्श जैसे सत्य, अंहिसा और अपरिग्रह अपनी प्रासंगिकता में सार्वभौमिक और शाश्वत हैं। प्रत्येक शताब्दी में जैनधर्म ने ऐसे साधु–संत पैदा किए हैं जिन्होंने ये आदर्श प्रस्तुत किए। मैं वर्तमान समय के दो पूजनीय व्यक्तियों – आचार्य तुलसी और उनके योग्य शिष्य आचार्य महाप्रज्ञ को स्मरण कर रहा हूं। यह मेरे लिए बड़े सौभाग्य की बात है कि मुझे इन महान आचार्यों के चरणों में बैठने का मौका मिला है।

मैंने जैन संगठनों में एक सबसे बड़ा गुण यह देखा है कि उन्होंने व्यापार बढ़ाने के साथ–साथ मानव प्रेम का आचरण करने हेतु तीर्थंकरों की शिक्षाओं को अपनाने की कोशिश की है। उनमें समाज सेवा और स्वयंसेवी भावना वास्तव में उल्लेखनीय है। मुझे याद है कि सन् 2001 में कच्छ और गुजरात के अन्य भागों में आये भयंकर भूचाल के समय सबसे अच्छा राहत और मानववादी कार्य जैन संगठनों ने किया था। इस प्रशंसनीय परम्परा का संचालन करने के लिए मैं जैन अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार संगठन की सराहना करता हूं।

जैन धर्म : विश्व इतिहास में प्राचीनतम हरित आन्दोलन

मित्रों, जैन धर्म अंहिसा के प्रति अपने आग्रह से जुड़ा हुआ है। वास्तव में, आधुनिक युग में अहिंसा के सबसे बड़े समर्थक महात्मा गांधी ने अपनी आत्मकथा में लिखा है कि उनके पास एक जैन आध्यात्मिक परामर्शदाता श्रीमद् राजचन्द्र नामक एक युवा हीरा व्यापारी थे।

आज विश्व के समक्ष दो सबसे बड़ी चुनौतियां–आतंकवाद और जलवायु परिवर्तन– है जिनके कारण हिंसा फैलती हैं।

हम प्रायः यह नहीं समझते कि जैन धर्म ने अंहिसा को इतना सर्वोपरि महत्व क्यों दिया है? फिर भी, हमें स्मरण रखना होगा कि आज विश्व के समक्ष दो सबसे बड़ी चुनौतियां–आतंकवाद और जलवायु परिवर्तन– हैं जिनके कारण हिंसा फैलती हैं। आतंकवाद निश्चित रूप से हिंसा का एक चरम और अमानवीय रूप है। हमें इसका घिनौना रूप अहमदाबाद, जयपुर, हैदराबाद, दिल्ली, बंगलौर, गुवाहाटी और हाल में मुम्बई में देखने को मिला है। इस तरह की हिंसा को सख्ती से रोका जाना चाहिए। लेकिन हिंसा का एक दूसरा रूप भी है जिसे विश्व बहुत धीरे–धीरे पहचानने लगा है और उसके खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई करने से काफी हिचक रहा है। मैं भौतिकवादी सभ्यता द्वारा हमारी भूमि पर फैलाई जा रही हिंसा का जिक्र कर रहा हूं। पर्यावरण के ह्रास जो हमारी भूमि, जल और वायु संसाधनों में खतरनाक स्तर पर फैले प्रदूषण से देखा जा सकता है और जो जलवायु परिवर्तन में अब चरमोत्कर्ष पर

टी.वी. चैनल स्व-विनियमन संहिता बनाएं : आडवाणी

टी.वी. समाचार चैनलों के सम्पादकों और वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारियों ने विपक्ष के नेता श्री लालकृष्ण आडवाणी से मुलाकात की और उन्हें केबल टी.वी. नेटवर्क नियमावली, 1994 में प्रस्तावित संशोधनों के मद्देनजर सरकार द्वारा लगाये जाने वाले प्रस्तावित प्रतिबंधों के खिलाफ अपनी शिकायतों से अवगत कराया।

श्री आडवाणी ने सम्पादकों से कहा कि मुम्बई में हाल ही में हुए आतंकवादी हमलों की टी.वी. कवरेज को लेकर लोगों की प्रतिक्रिया को देखते हुए यह जरुरी है कि टी.वी. चैनल स्व–विनियमन की संहिता बनाएं जिसमें यह सुनिश्चित हो कि राष्ट्र–विरोधी तत्व, आतंकवादी आदि देश में मीडिया की स्वतंत्रता का लाभ न उठा पायें। तथापि, सरकार द्वारा टी.वी चैनलों पर कोई अंकुश नहीं लगाया जाना चाहिए जिसका दुरुपयोग हो सकता है।

इस संबंध में विभिन्न टी.वी. चैनलों के सम्पादक आपातकालीन स्थितियों में समाचारों को प्रसारित करने हेतु बनाई गयी मार्गदर्शिकाएं आडवाणीजी के ध्यान में लाए जिन्हें भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति जे. एस. वर्मा के पर्यवेक्षण में तैयार किया गया था।

श्री आडवाणीजी ने इस बात पर जोर दिया कि स्व–विनियम ईमानदारी से लागू किया जाना चाहिए और यह सुनिश्चित करने हेतु हर प्रयास किया जाना चाहिए कि राष्ट्र–विरोधी तत्व एक लोकतांत्रिक देश में मीडिया की आजादी का दुरुपयोग न कर सकें। श्री आडवाणी ने कहा कि हमारा देश 1975–77 की इमरजेंसी के दौरान मीडिया पर लगाये गये कठोर प्रतिबंध (सेंसरशीप) को कभी नहीं भूल सकता। ■

पहुंच गया है, से पृथ्वी पर मनुष्य और अन्य प्रजातियों के लिए भयानक अड़चनें और खतरे पैदा हुए हैं। जब हम जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों पर ध्यान देंगे तभी हम 'अहिंसा' और 'जीव दया' के जैन सिद्धांत की अत्यंत समसामयिक प्रासंगिकता को समझेंगे। हमने महसूस किया है कि भगवान महावीर तथा अन्य जैन तीर्थंकर पर्यावरण के महान संरक्षणवादी थे। उन्होंने हमें सिखाया कि हम मानव लोग पृथ्वी के मात्र न्यासी हैं। हमें इस युग में इन शिक्षाओं को पुनः ग्रहण करना होगा। यदि हम ऐसा करते हैं तो हमें महसूस करना चाहिए कि पर्यावरण मित्रता केवल फैशनपरस्त मुहावरा नहीं है बल्कि इसे हमें अपने विकास प्रतिमान में शामिल करना होगा और अपने दैनिक जीवन से भी जोड़ना होगा। एक तरह से हम सभी को आदिवासी बनना पड़ेगा जो यह जानते हैं कि पृथ्वी के साथ समन्वय स्थापित करके किस तरह से अपना अस्तित्व बनाये रखा जाए। पृथ्वी हमारी देखभाल करती है और हमें भी उसका ध्यान रखना होगा। इस दृष्टि से जैन धर्म विश्व इतिहास में अत्यंत प्राचीन हरित आन्दोलन है।

मैं यहां उपस्थित श्रोताओं और अपने देश की आम जनता को आश्वासन देना चाहूंगा कि यदि भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबन्धन नई दिल्ली में अगली सरकार बनाते हैं तो हम हिंसा के दोनों रूपों – आतंकवाद और जलवायु परिवर्तन – से निपटने हेतु उपयुक्त कदम उठायेंगे।

जीवन्त गुजरात : अन्य राज्यों के लिए आदर्श

मित्रों, आपका सम्मेलन ऐसे समय पर हो रहा है जब गुजरात एक बार फिर एक अन्य प्रतिष्ठित सम्मेलन : 'जीवन्त गुजरात सम्मेलन 'आयोजित कर रहा है। गुजरात के सक्रिय मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गुजरात सरकार की अत्यंत प्रभावशाली उपलब्धियों को दर्शाने के लिए इस वार्षिक सम्मेलन का अब राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रचार किया गया है।

हमारे राजनीतिक और वैचारिक विरोधी भी धीरे–धीरे समझने लगे हैं कि गुजरात अब निवेश के लिए नं0 1 राज्य बन गया है। हाल ही में केरल से सी.पी.आई. (एम) के एक सांसद ने सार्वजनिक तौर पर श्री मोदी की सराहना करते हुए कहा कि केरल में कम्युनिस्ट पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार को गुजरात के उदाहरण का अनुकरण करना चाहिए। गुजरात आज सुशासन, विकास और सुरक्षा की गैर–समझौतावादी नीति के लिए एक आदर्श राज्य है। गुजरात ने भ्रष्टाचार के खिलाफ गैर–समझौतावादी दृष्टिकोण अपनाकर भी एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। मैं आपको आश्वासन देता हूं कि नई दिल्ली में भावी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबन्धन सरकार इस मॉडल को देशभर में दोहराएगी।

आज हम मंदी के जिस संकट से गुजर रहे हैं, उससे अर्थव्यवस्था को उभारने के लिए हम साहसिक और तत्काल कदम उठायेंगे। हमारी नीतियों से भारत के युवाओं के लिए रोजगार, स्वरोजगार और उद्यमशीलता के अधिक से अधिक अवसर पैदा करने में मदद मिलेगी। इस प्रयास में हम जैन अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार संगठन जैसे संगठनों का सक्रिय रूप से सहयोग लेंगे।

सरकार को वित्तीय घोटाले के मामलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी होगी। मित्रों, आप में से अधिकांश लोग व्यापार और व्यवसाय क्षेत्रों से जुड़े हुए हैं। इसलिए मैं इस अवसर पर आपके समक्ष एक महत्वपूर्ण विचार रख रहा हूं। भारत में एक विशाल अर्थव्यवस्था के रूप में उभरने की हर संभावनाएं मौजूद हैं। हाल के वर्षों में भारतीय उद्यमियों ने भारत और विदेशों में हासिल की गई सफलताएं उल्लेखनीय हैं। लेकिन जैसा गांधीजी उपदेश दिया करते थे, आचार–विहीन व्यापार पाप है। यदि कुछ ही व्यापारिक संगठन अनैतिक कार्यों में लिप्त रहते हैं तो उनके कारण पूरे व्यवसाय जगत की बदनामी होती है। मैं यह इसलिए कह रहा हूं क्योंकि मुझे हैदराबाद की एक प्रमुख आई.टी. कम्पनी में हुए घोटाले के पर्दाफाश से दुःख पहुंचा है। सरकार ऐसे घोटालों और धोखाधड़ी की घटनाओं की ओर से अपनी आंखें नहीं फेर सकती अथवा न ही नरम रूख अपना सकती है। ■

सत्यम ने किया सत्यानाश

कार्पोरेट जगत का अब तक का सबसे बड़ा लगभग 8000 करोड़ का घोटाला

सत्यम घोटाला देश में आतंरिक आर्थिक आतंकवाद के रूप में उभरकर सामने आया हैं। आजादी के बाद का यह सबसे बड़ा कार्पोरेट घोटाला है। इस घोटाले के कारण अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की छवि को गहरा आघात पहुंचा है और अविश्वास का माहौल पैदा हो गया है। इस घोटाले से कंपनी के निदेशक मंडल के सदस्यों, विश्लेषकों, चार्टर्ड एकाउंटेंट के अलावा नियामक सेबी भी संदेह के घेरे में आ गई है। सत्यम घोटाला कई स्तरों पर हुआ और इसमें कई पेंचीदगियां रहीं। घोटाले का मुख्य उद्देश्य डूबती हुई कंपनी का पैसा दूसरी कंपनी में लगाकर पल्ला झाड़ना था। पिछले एक दशक से कंपनी के खातों में हेर–फेर की जा रही थी। जिस मामले से पूरा घोटाला सामने आया है, वह था रामलिंगा राजू ने अपने बेटों की कंपनी में बिना डायरेक्टर्स को विश्वास में लिए पैसे लगाने जा रहे थे। बेटों की कंपनी का नाम मेटास था जो कि सत्यम की विपरीत है। पैसा मेटास इंफ्रा और मेटास प्रॉपटीज के खाते में जमा होने के स्थान पर इसके प्रोमोटरों के निजी खातों में जमा होना था। ये प्रोमोटर राजू के बेटे हैं। दूसरी तिमाही में कंपनी की वास्तविक कमाई 2112 करोड़ रुपए थी। जबकि बैलेंसशीट में इसे बढ़ाकर 2700 करोड़ रुपए दिखाया गया। ऐसे ही कंपनी की वास्तविक ऑपरेटिंग मार्जिन 61 करोड़ रुपए थी जबकि बैलेंसशीट में 649 करोड़ रुपए दिखाया गया। शेयर बाजार में पिछले दिनों आई गिरावट के बाद कंपनी के ग्राहकों में अचानक कमी आ गई थी जिसके कारण निवेशकों को जोड़ रखने के लिए फर्जी बैलेंसशीट बनाई गई। हम यहां सत्यम घोटाला से संबंधित बिंदुवार जानकारी प्रस्तुत कर रहे हैं–

(अ)सत्यम

क्या है 'सत्यम' घोटाला

- 7 जनवरी 2008 को देश की चौथी सबसे बड़ी आईटी कंपनी 'सत्यम' ने अपनी बैलेंस शीट में लगभग 8000 करोड़ की गड़बड़ी स्वीकार की और 54 वर्षीय बी. रामालिंगा राजू ने कंपनी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया।
- गौरतलब है कि बी. रामालिंगा राजू ने सत्यम कंप्यूटर की स्थापना आंध्र प्रदेश की राजधानी हैदराबाद में 1987 में की थी।
- अपनी स्थापना के कुछ समय बाद ही सत्यम सॉफ्टवेयर क्षेत्र की देश की चार बड़ी कंपनियों में से एक बन गई।
- उल्लेखनीय है कि सत्यम कंपनी ने लगभग 53,000 लोगों को रोजगार दिया।

कैसे हुआ घोटाला

- फर्जी बिलों के आधार पर कंपनी की आय के आंकड़े बड़ा–चढ़ाकर दिखाए गए।
- इससे वास्तविक व काल्पनिक परिसंपत्तियों में भारी अंतर पैदा हो गया।
- 376 करोड़ रुपये के कर्ज का कोई हिसाब नहीं।
- राजू ने कंपनी के लिए 1230 करोड़ जुटाए, इसका कोई हिसाब नहीं।
- कुछ विशेषज्ञों ने राजू को भारत का अमेरिकी वित्तीय बाजार में इस समय चर्चित बर्नार्ड मैडाफ भी कहा जिस पर निवेश योजनाओं में धांधली के जरिए अमेरिका में अरबों डालर के घोटाला करने का आरोप है।
- उल्लेखनीय है कि मैडाफ नई योजना में निवेशकों का धन लेकर पुराने निवेशकों को दिया करता था।
- एक अन्य ब्रोकरेज हाउस एंजेल ब्रोकिंग ने इस प्रकरण को भारत का एनरान करार देते हुए कहा कि भारतीय कार्पोरेट इतिहास के सबसे बड़े घोटालों में से एक का खुलासा कर सत्यम अध्यक्ष ने अपने दिल के बोझ को कम कर दिया है।
- साल 2001 में दिवालिया होने से पहले एनरान विश्व की सबसे अग्रणी ऊर्जा कंपनी थी जिसमें 20000 कर्मचारी थे और 2000 में यह 100 अरब डालर की आय का दावा कर रही थी।
- दिवालिया होने से पहले एनरान को लगातर छह साल अमेरिका की सबसे रचनात्मक कंपनी करार दिया गया था।

अमेरिकी भी डरते थे राजू से

- उल्लेखनीय है कि सत्यम जैसी भारतीय कंपनियों को काम आउटसोर्स के कारण लाखों अमेरिकियों को रोजगार से हाथ धोना पड़ा जिसकी वजह से यह डर पैदा हुआ था।
- विशेषज्ञों ने कहा कि राजू ने वैश्विक कारोबारी क्षेत्र में भारत के विकास की कहानी को निश्चित रूप से चोट पहुंचाई और विश्व भर की कंपनियां अब किसी भारतीय कंपनी के साथ कारोबार करने से पहले सतर्कता बरतेंगी।

वैश्विक व्यापार

- दुनिया के 35 देशों की क़रीब तीन सौ कंपनियों के लिए सत्यम काम करती है। इसके कुछ सेंटर अमरीका में भी हैं। जहाँ क़रीब आठ सौ लोग काम करते हैं।
- सत्यम ने जापान, सिंगापुर और

सत्यम और मेटास के संबंधों की जांच हो : भाजपा

कम्पनी मामलों के मंत्री श्री प्रेम चंद गुप्त ने स्वीकार किया है कि सत्यम और और मेटास के बीच निकट के संबंध हैं। इस समय मेटास और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री वाई.एस. रेड्डी के बीच के संबंधों की जांच किए जाने की भी जरूरत है। उनकी निकटता जग–जाहिर है तथा रिकार्ड दर्शाता है कि आंध्र प्रदेश सरकार ने किस प्रकार मेटास को राज्य में भूमि और तरह–तरह के ठेकों का उदारतापूर्वक आवंटन किया है। संदर्भ में इसी जांच की मांग भाजपा प्रवक्ता श्री प्रकाश जावडेकर ने एक प्रेस सम्मेलन में की।

उन्होंने कहा कि कई भूमि–आवंटनों में आश्चर्यजनक फुर्ती की गई। ऐसी जानकारी मिली है कि कई मामलों में मेटास को मुख्यमंत्री के विशिष्ट अनुदेशों पर भूमि आवंटित की गई। आंध्र प्रदेश सरकार ने मेटास को प्रतिष्ठित हैदराबाद मेट्रो रेल परियोजना आवंटित की और मेटास को फायदा पहुंचाने के लिए मार्गों के मूल डिज़ाइनों को बदलने तक की अनुमति दे दी। भारत में मेट्रो रेल के पुरोधा मिस्टर श्रीधरन के विरोध को भी दरकिनार किया गया था, जिसमें उन्होंने इस परियोजना में बड़े पैमाने पर राजनीतिक धांधली होने की स्पष्ट चेतावनी दी थी। ऐसा प्रतीत होता है कि संप्रग प्रशासन द्वारा उनके योजना आयोग को लिखे पत्र को भी गंभीरता से नहीं लिया गया था। मिस्टर श्रीधरन ने हताशा में अपने आपको इस परियोजना से अलग कर लिया था। यदि संप्रग सरकार ने उनकी पूर्व की चेतावनी पर गंभीरतापूर्वक ध्यान दिया होता तो इस बड़े अनर्थ से बचा जा सकता था। केवल मेट्रो रेल परियोजना ही नहीं बल्कि विभिन्न सिंचाई परियोजनाएं, भी उन्हें सौंपी गई, विशेष आर्थिक ज़ोन मंजूर किए गए तथा खुले हाथ से भूमि आवंटित की गई। आवश्यकता इस बात की है कि इन त्रुटियों की जांच की जाए।

श्री जावडेकर ने कहा कि यह एक भारी धोखाधड़ी का मामला है, जिसमें सार्वजनिक धन की हेराफेरी की गई है तथा राष्ट्र के साथ छल किया गया है। स्पेशल फ्रॉड इन्वेस्टीगेशन एजेंसी (Special Fraud Investigation Agency) का वजूद केवल कागजों में है क्योंकि उनके पास इस प्रकार के घोटाले की जांच करने के लिए समुचित स्टॉफ मौजूद नहीं है।

देश ने अब तक के सबसे बड़े वित्तीय घोटाले को होते देखा है, जिसमें टर्नओवर (turn over), राजस्व, लाभ आदि को बढ़ा–चढ़ाकर दिखाया गया है तथा रोकड़ तथा बैंक–बैलेंस का मिथ्या चित्रण किया गया है। इसके कारण देश में ऑडिट प्रणाली और रेटिंग प्रणाली के बारे में तूफान खड़ा हो गया है। इस घोटाले ने सेबी, एनएसई, आरओसी, कंपनी लॉ बोर्ड तथा अन्य एजेंसियों सहित सारे नियामक तंत्रों की घोर विफलता को खोलकर सामने रख दिया है। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यवश, सीबी सीआईडी द्वारा की जा रही जांच उन स्टेकहोल्डरों के मन में विश्वास नहीं जगा पाई है, जिनके साथ इतना बड़ा धोखा किया गया है। भाजपा मांग करती है कि इस घोटाले की व्यापक स्वतंत्र जांच अथवा संयुक्त संसदीय समिति द्वारा जांच कराई जाए।

देश को यह जानने का अधिकार है कि सत्यम और मेटास के बीच कितने धन की तथा किस प्रकार से बंदर–बांट की गई? मेटास से किन–किन लोगों को वास्तव में लाभ पहुंचा है? मेटास में कौन–कौन बेनामी निवेशक शामिल है? मेटास के पर्दे और अग्रणी कंपनियों के पीछे कौन–कौन लोग हैं? क्या इस बारे में पीएन मार्ग (PN Route) अथवा मॉरिशस मार्ग (Mauritius Route) का सहारा लिया गया था?

भाजपा मांग करती है कि 7 अक्तूबर, 2008 से सत्यम और मेटास में जो भी लेन–देन हुए थे उनकी जांच की जाए तथा संसद के आगामी सत्र में कंपनी मामलों को अधिशासित करने वाले विभिन्न कानूनों में आवश्यक संशोधन किए जाएं।■

ब्रिटेन में सॉफ्टवेयर विकास केंद्र भी खोल रखे हैं।

- कंपनी ने रियल इस्टेट के क्षेत्र में क़दम रखते हुए हैदराबाद के भादुरापल्ली गाँव में करोड़ों डालर के निवेश से 120 एकड़ क्षेत्र में एक तकनीकी विकास केंद्र की स्थापना की है।

किसान का बेटा

- आंध्र प्रदेश के पश्चिमी गोदावरी ज़िले के रहने वाले बी. रामालिंगा राजू के पिता सत्यनारायण राजू अंगूर की खेती करते थे।
- राजू ने अमरीका के ओहायो विश्विविद्यालय से एमबीए करने के बाद श्री सत्यम के नाम से एक स्पिनिंग (धागा) मिल की स्थापना की। राजू के पिता का घरेलू नाम भी सत्यम था।

चार डायरेक्टरों का इस्तीफा

- बोर्ड ऑफ़ डायरेक्टर्स से चार लोगों ने इस्तीफ़ा दे दिया है। वहीं 5 जनवरी 09 को कंपनी के 120 कर्मचारी नौकरी छोड़कर चले गए।
- अब रामालिंगा राजू क़ानूनी कार्रवाइयों का सामना करेंगे और उनकी कंपनी को फिर से खड़ा होने के लिए लंबी जद्दोजहद करनी पड़ेगी।

पतन की शुरुआत

- उद्यमियों के लिए मिसाल रहे राजू की योजना औंधे मुंह गिरी जब उन्होंने अपने परिवार द्वारा प्रवर्तित दो कंपनियों को 1.6 अरब डालर में खरीदने की कोशिश की।
- निवेशकों के विरोध ने सौदे को रद्द करने पर मजबूर कर दिया और इसके बाद दाएं–बाएं जाने का कोई रास्ता नहीं था इसलिए उन्होंने कंपनी से इस्तीफा दे दिया।

रेटिंग व पुरस्कारों में सर्तकता जरूरी

- सत्यम घोटाले से यह सीख मिलती है कि कॉर्पोरेट गवर्नेंस और रेटिंग के लिए पुरस्कार देने में सतर्कता बरतनी चाहिए।
- उल्लेखनीय है कि 'सत्यम' को कई कॉर्पोरेट गवर्नेंस और रेटिंग के लिए पुरस्कार मिले थे।
- सत्यम कंप्यूटर ने 2008 में कार्पोरेट गवर्नेंस, कंपनी निदेशन, में उत्कृष्टता के लिए गोल्डन पीकाम ग्लोबल पुरस्कार हासिल किया था। ■

कांग्रेस सरकार का भ्रष्ट चेहरा फिर उजागर

&laoknnkrk }kjk

संयुक्त प्रगतिशील सरकार के चरित्र में भ्रष्टाचार समाहित हैं और उसने संकीर्ण स्वार्थों की खातिर पूरे तंत्र को ध्वस्त कर दिया है। कांग्रेसनीत केन्द्र सरकार के शासन में गेहूं आयात घोटाला, स्पेक्ट्रम घोटाला, स्कॉर्पियन पनडुब्बी घोटाला, वोल्कर घोटाला, सेज घोटाला, टी आर बालू प्रकरण और अब डीडीए घोटाला हुआ है। दिल्ली में 5010 फ्लैट्स वाली डीडीए की मेगा स्कीम में हुए घोटाले ने दिल्ली की कांग्रेस सरकार का भ्रष्ट चेहरा उजागर कर दिया है।

गौरतलब है कि डीडीए स्कीम में जिन लोगों को फ्लैट मिले हैं उनमें से कुछ के डॉक्युमेंट्स के फर्जी होने की जानकारी है और इस पूरे ड्रॉ पर सवालिया निशान लग गया है। डीडीए ने कुल 5 लाख 12 हजार ऐप्लिकेंट्स में से 5010 लोगों को लकी ड्रॉ के जरिए चुना था। लेकिन कुछ विजेताओं के फर्जी होने की जानकारी के बाद इस ड्रॉ में प्रॉपर्टी डीलर्स के गैंग के साथ डीडीए के कर्मचारियों और बैंक एजेंट्स के शामिल होने की आशंका है। इस स्कीम में जो फ्लैट्स एससी व एसटी के लिए आरक्षित थे उनमें राजस्थान के कुछ लोगों के नाम निकले हैं जिन्होंने इस स्कीम के बारे में सुना भी नहीं था। कई लोग ऐसे पाए गए हैं जिनको फ्लैट्स तो अलॉट हो गए हैं लेकिन डेटा बेस में उनका पता और फोन नंबर भी मौजूद नहीं है।

आरक्षित श्रेणी के आवंटन में हुई अनियमितता के मामले में अब तक जिस तरीके से जांच हुई है, वह महज दिखावा है। लोगों ने बहुत उम्मीद से डीडीए के फॉर्म भरे थे, ताकि उन्हें रहने के लिए दिल्ली में अपना आशियाना मिल जाएगा। लेकिन डीडीए ने इसके विपरीत लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाते हुए केवल अपना बैंक बैंलेस बढाया और लोगों को धोखा दिया। यह भी जगजाहिर हो गया है कि इस आवंटन में डीडीए के कर्मचारी व प्रापर्टी डीलरों की मिलीभगत थी।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता व सांसद श्री प्रकाश जावडेकर ने संप्रग सरकार को घोटालों की सरकार निरूपित करते हुए दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) आवास आवंटन घोटाले की केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की मांग की है। ■

~~~~~~~~~~☯☯☯~~~~~~~~~~~

गरीबों के लिए तत्काल बनें मकानः प्रो. कोहली

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ओ.पी. कोहली ने दिल्ली सरकार से गरीबों के लिए तत्काल मकान बना कर उचित कीमत पर देने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि दिल्ली में जब तक मकानों की कमी रहेगी, घोटाले होते रहेंगे। यहां गरीब तबकों के लोगों के लिए 14 लाख और उच्च व सामान्य वर्ग के लोगों के लिए 16 लाख मकान की आवश्यकता है। डीडीए लोगों को मकान मुहैया कराने में नाकाम रही है। डीडीए अपनी बुनियादी बात भूल कर जमीन और मकान बिक्री करके मालामाल होने वालों का पक्षधर बन गया है और स्वयं पैसा कमा रहा है।

जयपाल रेड्डी व अजय माकन इस्तीफा दें : विजय गोयल

‘दिल्ली वालों को ही मिलें डीडीए फ्लैट’

डीडीए फ्लैट आवंटन घोटाले के बाद यह मांग जोर पकड़ने लगी है कि केवल दिल्ली में रहने वालों को ही डीडीए फ्लैट दिए जाएं। दिल्ली के रेजीडेंटस वेलफेयर एसोसिएन ने यह मुद्दा उठाया है। साथ ही डीडीए को भंग कर एनसीआर विकास निगम बनाने की मांग की है।

भाजपा के नेता विजय गोयल ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि डीडीए का काम दिल्ली में आवास और व्यवसाय की जरूरतों को पूरा करना था, लेकिन डीडीए ने 5010 फ्लैटों के लिए देश भर से आवेदन मांगकर 9000 करोड़ रूपये इकट्ठा किए और 400 करोड़ रूपये का ब्याज कमाया। डीडीए को हिन्दुस्तान भर से आवेदन मांगने की क्या जरूरत थी, जबकि दिल्ली के लोग घर के लिए तरस रहे हैं।

उन्होंने कहा कि दिल्ली आबादी के बोझ से कराह रही है। ऐसे में एनसीआर का सर्वांगीण विकास करने के लिए डीडीए को भंग कर एनसीआर विकास निगम की स्थापना की जानी चाहिए।

उन्होंने डीडीए घोटाले के लिए केन्द्रीय शहरी विकास मंत्री जयपाल रेड्डी और राज्यमंत्री अजय माकन को जिम्मेवार मानते हुए उनके इस्तीफे की मांग की।

उधर, दिल्ली की सभी रेजीडेंट्स वेलफेयर एसोसिशनों के संयुक्त संगठन यूनाइटेड आरडब्लूए ज्वाइंट एक्शन (ऊर्जा) के सदस्यों ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दिल्ली की वर्तमान आबादी के लिए 15 लाख आवासीय इकाइयों की जरूरत है तो फिर डीडीए अपने फ्लैटों के लिए देश भर से आवेदन क्यों मांगता है? डीडीए की जवाबदेही दिल्ली की जनता के प्रति है, दूसरे राज्यों के लिए नहीं। ■
~~~~~~~~~~

अर्जुन सिंह को बर्खास्त करो : अरुण जेटली

भारतीय जनता पार्टी ने बाटला हाउस पुलिस मुठभेड़ कांड की न्यायिक जांच कराने की मांग करने पर केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री अर्जुन सिंह को केन्द्रीय मंत्रिपरिषद से तत्काल बर्खास्त करने की मांग की है।

भाजपा महासचिव अरूण जेटली ने उक्त मांग करते हुए कहा कि केन्द्र की कांग्रेसनीत यूपीए सरकार के कई मंत्री बाटला हाउस एनकाउंटर की न्यायिक जांच कराने की बात बार–बार उठा रहे हैं। जबकि सच तो यह है कि गृह मंत्री पी. चिदम्बरम पुलिस जांच से संतुष्ट है। एक तरफ सरकार शहीद मोहन चन्द्र शर्मा को मरणोपरांत अशोक चक्र देने की सोच रही है तो एक केन्द्रीय मंत्री मामले की न्यायिक जांच की मांग कर रहा है। जबकि पुलिस ने आरोप पत्र भी दाखिल कर दिया है। अब मामला अदालत में है और फैसला भी वहीं होगा।

उन्होंने कहा कि पुलिस आतंकवादियों को पकड़ती है। जांच करती है। सबूत जुटाकर मामलों को अदालत में दायर करती है। लेकिन केन्द्र सरकार के मंत्री सवाल खड़े करते हैं और अनधिकृत तौर पर न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप करते हैं।

भाजपा महासचिव ने आरोप लगाया कि अर्जुन सिंह की ताजा मांग दोषियों की मदद करने का प्रयास है। श्री सिंह का बयान मंत्रिमंडल के सामूहिक दायित्व के भी खिलाफ है।

श्री जेटली ने कहा कि कोई भी सरकार या प्रधानमंत्री ऐसे मंत्री के आचरण को कैसे स्वीकार कर सकता है। ''क्या कांग्रेस नेतृत्व तथा प्रधानमंत्री अर्जुन सिंह के सामने बेबस हो गए हैं?'' उन्होंने कहा कि ऐसे बयान के बाद अर्जुन सिंह का मंत्रिपरिषद में बने रहने का अधिकार नहीं रह गया है। प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को अपने विशेषाधिकारों का इस्तेमाल करते हुए अर्जुन सिंह को तत्काल बर्खास्त कर देना चाहिए।■

''आइए, दही चूड़ा खाइए''

गत 14 जनवरी को भाजपा केन्द्रीय कार्यालय में मकर संक्रान्ति उत्सव आयोजित किया गया। इस अवसर पर लोकसभा में विपक्ष के नेता श्री लालकृष्ण आडवाणी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजनाथ सिंह, पूर्व केन्द्रीय मंत्री डा. मुरली मनोहर जोशी, एनडीए के कार्यकारी अध्यक्ष श्री शरद यादव, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री रामलाल, श्री शाम जाजू, श्री राजीव प्रताप रूड़ी, श्री रविशंकर प्रसाद, श्री प्रकाश जावडेकर, श्री शाहनवाज हुसैन, आदि नेताओं की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम के आयोजन में श्री संजय मयूख, श्री अरुण सिंह, श्री विवेक ठाकुर, श्री सुभाष यदुवंश व श्री सिद्धार्थ शम्भू ने प्रमुख भूमिका निभाई।■

मकर संक्राति परिवर्तन का वाहक : राजनाथ सिंह

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष राजनाथ सिंह ने मकर–सक्रांति पर देश वासियों को बधाई दी। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि कृषि प्रधान भारत देश में सनातन काल से ऊर्जा और शक्ति प्राप्त करने के लिए देश के विभिन्न हिस्सों में लोग सूर्य के उत्तरायण होने के साथ उत्सव मनाते रहे हैं। यह सनातन परम्परा सिंधु घाटी की सभ्यता से भी प्राचीन है। यदि उत्तर में यह उत्सव मकर–सक्रांति के रूप में है तो विन्ध्य मेखला के दक्षिण में यही पोगंल के रूप मे, पश्चिमी भारत में लोहड़ी के रूप में और असम में इसे माघ बिहु के रूप में मनाया जाता है। यह भारतीय जन–मानस की सांस्कृतिक व राष्ट्रीय एकता और अखण्डता का अद्भुत स्तम्भ है। उन्होंने कहा कि चूंकि यह पर्व ऊर्जा और शक्ति का प्रतीक है और परिवर्तन का वाहक है। अतः हमारी कामना है कि आपका और अपने देश का जीवन ऊर्जा से पूर्ण हो, शक्ति सम्पन्न हो और नये परिवर्तन का द्योतक हो। उन्होंने इस अवसर पर सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई दी।■

श्री विनोद पाण्डे और श्री बाबूराम एम. काम. विधानसभा परिषद सदस्य निर्वाचित

उत्तर प्रदेश के विधानसभा परिषद के चुनाव में भाजपा के दो सदस्य श्री बाबूराम एकम. काम व श्री विनोद पाण्डे विजयी रहे। हाल ही में हुए विधानसभा पद के चुनाव में श्री बाबूराम एम काम को 29 मत व श्री विनोद पाण्डे को 26 मत प्राप्त हुए। दोनों ही सदस्य विधान परिषद के सदस्य के रूप में निर्वाचित हुए हैं। श्री विनोद पाण्डे भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी हैं।■

किसान ही हमारे समाज की रीढ़ हैं

दिनांक 13 जनवरी 2008 को देशभर के किसानों का एक प्रतिनिधिमण्डल भाजपा के वरिष्ठ नेतृत्व से मिला। लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता श्री लालकृष्ण आडवाणी के निवास में इस प्रतिनिधिमंडल ने कृषि जगत से जुड़ी समस्याओं पर अपने विचार रखे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजनाथ सिंह, एनडीए के संयोजक श्री शरद यादव व श्री आडवाणी ने इस प्रतिनिधिमंडल को सम्बोधित भी किया। हम यहाँ श्री आडवाणी के द्वारा दिए गए मार्गदर्शन के मुख्य अंश प्रकाशित कर रहे हैं।

सबसे पहले, मैं आप सभी को मकर संक्राति की शुभकामनाएं देता हूं। दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में हमारे दोस्त इसे पोंगल के रूप में मनाते हैं। असम में इसे बिहू के रूप में मनाया जाता है। आप सभी को इन त्योहारों पर हार्दिक बधाई।

इस त्योहार को चाहे किसी भी नाम से मनाया जाए, इसके बारे में सबसे उल्लेखनीय बात यह है कि यह त्योहार हर जगह कृषि और कृषक समाज से जुड़ा हुआ है।

हमारी संस्कृति मुख्य रूप से कृषि से जुड़ी हुई है। हमें इन दोनों को संरक्षित रखने की जरूरत है।

मैं श्री राजनाथ सिंह जी को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने किसान प्रतिनिधियों के साथ यह गोलमेज बैठक आयोजित करने की पहल की। कुछ समय पहले इसी तरह की हमारी बैठक व्यवसाय जगत के प्रतिनिधियों के साथ हुई थी। वह बैठक वास्तव में बहुत उपयोगी रही। हमारी पार्टी आर्थिक मंदी, जिसके चलते अन्य बातों के साथ–साथ, बड़े पैमाने पर नौकरियां समाप्त हुई हैं, से पैदा हुई दिक्कतों पर व्यवसाय समुदाय के विचार जान सकी।

मैं किसान प्रतिनिधियों के साथ आज की बैठक को अत्यधिक महत्व देता हूं क्योंकि किसान हमारे समाज की रीढ़ की हड्‌डी हैं। हालांकि भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में कृषि का हिस्सा लगातार घट रहा है लेकिन आजीविका के लिए खेती पर निर्भर रहने वाले लोगों की संख्या में कोई सहवर्ती कमी नहीं आई है।

वास्तव में, हमारी आबादी में 60 प्रतिशत से अधिक लोग ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं और हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था अभी भी पूरी तरह से कृषि पर निर्भर है।

इन दोनों वास्तविकताओं का मिश्रण – सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में कृषि का घटता हुआ हिस्सा लेकिन हमारी आबादी के एक बड़े वर्ग की खेती पर लगातार निर्भरता – भारत में बेरोजगारी की समस्या सहित सामाजिक और आर्थिक समस्याओं का मूल प्रश्न है। इसलिए, हम भारत के वर्तमान और भविष्य की कितनी चिंता करते हैं, इसका अंदाजा आसानी से इस बात से लगाया जा सकता है कि हम भारत के किसान समुदाय की कितनी परवाह करते हैं।

नई दिल्ली में 13 जनवरी, 2009 को किसानों के प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक में श्री लालकृष्ण आडवाणी का भाषण

जहां तक भारतीय जनता पार्टी का सम्बन्ध है, पंडित दीनदयाल उपाध्याय के समय से ही हमारा यह विश्वास रहा है कि भारत की खुशहाली, सामाजिक स्थिरता और समग्र विकास इस नारे के चरितार्थ में निहित है : हर हाथ को काम, हर खेत को पानी।

वास्तव में, यदि कृषि को सही ढंग से बढ़ावा दिया जाए तो यह अर्थव्यवस्था के अकेले किसी भी क्षेत्र की अपेक्षा बड़ी संख्या में उत्पादक रोजगार की सुविधाएं पैदा करने में सक्षम हैं। कांग्रेस पार्टी ने स्वतंत्रता के बाद बड़ी लम्बी अवधि तक भारत पर शासन किया है। इसलिए इस पार्टी पर आर्थिक विकास के मॉडल के बारे में गंभीर आरोप है जिसकी वजह से हम इस लक्ष्य को प्राप्त करने से काफी दूर हैं।

इसके परिणामस्वरूप, हम जनता में एक खतरनाक स्तर पर आजीविका की असुरक्षा देख रहे हैं।

इससे बड़ी त्रासदी और क्या हो सकती है कि भारत में हजारों किसानों ने आत्महत्याएं की हैं। क्या विश्व के किसी दूसरे देश में इस तरह की भयानक त्रासदी घटी है? नहीं।

मैं उन किसानों के कई परिवारों से मिला हूं जिन्होंने अपनी जानें गंवा दीं क्योंकि खेती उन्हें अधिक समय तक लगातार आजीविका मुहैया नहीं करा सकी। उन्हें यू.पी.ए. सरकार द्वारा घोषित अनेक राहत पैकेजों से राहत नहीं मिल सकी। महाराष्ट्र और आंध्रप्रदेश, दोनों जगह जहां कांग्रेस और कांग्रेसनीत सरकारें सत्ता में हैं, में ही किसानों द्वारा आत्महत्याएं की जाती रही हैं।

आन्ध्रप्रदेश में हथकरघा बुनकरों ने भी हाल के महीनों में आत्महत्याएं की हैं। कुल मिलाकर, यह पूरी तरह से अस्वीकार्य स्थिति है और यदि आगामी चुनावों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबन्धन चुनकर सत्ता में आता है तो हमारी सरकार भारतीय

⏭

माटी पुत्र की पहल

भोपाल के ऐतिहासिक बड़े ताल को सूखे से बचाने के लिए मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने हर रविवार को घंटे भर तक श्रमदान कर बचाने का फैसला किया।

तालों के ताल भोपाल की तकरीबन एक हजार वर्ष पुराने बड़े ताल के सूखते हिस्से में घण्टे भर तक मिट्टी खोदकर शिवराज सिंह चौहान ने पसीना बहाया। ज्ञात हो कि यह तालाब मध्य प्रदेश की राजधानी की जीवन रेखा है। और शहर की जरूरत का तकरीबन आधा पानी यहीं से मिलता है। ■

⏭

कृषि को पुनर्जीवित करने के लिए दूरगामी नीति और कार्यक्रम बनाकर उपचारी कदम उठायेगी।

कृषि क्षेत्र में सरकारी खर्च जिसमें 1990 के दशक से जबरदस्त रूप से कमी आई है, को बड़े पैमाने पर बढ़ाया जाएगा।

ग्रामीण आधारभूत ढांचे – सड़कों, बिजली, सिंचाई, भण्डारण सुविधाओं आदि – के विकास को व्यापक रूप में प्रोत्साहित किया जाएगा। पिछली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबन्धन सरकार ने प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना जो आजादी के बाद सबसे बड़ा ग्रामीण सड़क निर्माण कार्यक्रम है, को आरंभ करके पहले ही अपने वादे को पूरा कर दिया है। और मैं किसानों के प्रतिनिधियों के साथ हो रही आज की बैठक में उनके विचारों और सुझावों की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहा हूं। ■

श्री नरेन्द्र सिंह तोमर राज्यसभा सांसद निर्वाचित

मध्यप्रदेश भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर निर्विरोध राज्यसभा के सांसद चुने गये। विदित हो कि मध्य प्रदेश से राज्यसभा के सांसद श्री लक्ष्मी नारायण शर्मा का आकस्मिक निधन के पश्चात् यह सांसद पद रिक्त हुआ था। भाजपा की केन्द्रीय चुनाव समिति ने राज्यसभा सांसद हेतु श्री नरेन्द्र सिंह तोमर को उम्मीदवार बनाया था। जो कि निर्विरोध रूप से सांसद चुन लिये गये। हम यहाँ उनका संक्षिप्त परिचय भी प्रकाशित कर रहे हैं।

ग्वालियर में 12 जून 1957 को जन्में श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने स्नातक शिक्षा ग्रहण की है। वे छात्र जीवन के दौरान वर्ष 1979–80 में शासकीय महाविद्यालय, मुरार के छात्र संघ अध्यक्ष रहे। वर्ष 1983 से 1987 तक नगर निगम ग्वालियर के पार्षद तथा वर्ष 1980 से निरंतर वे संरक्षक अध्यक्ष दर्पण खेल संस्थान, ग्वालियर का दायित्व निभा रहे हैं।

श्री तोमर ने अपने सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन के अनेक पड़ाव तय किये हैं। वे 1974 से 1977 तक वार्ड अध्यक्ष भारतीय युवा संघ, वर्ष 1977–78 तक मण्डल अध्यक्ष, भारतीय जनता युवा मोर्चा, वर्ष 1980 में जिला मंत्री भारतीय जनता युवा मोर्चा, ग्वालियर, वर्ष 1985 में प्रांतीय मंत्री तथा वर्ष 1986 से 90 तक मध्य प्रदेश के प्रान्तीय उपाध्यक्ष, भारतीय जनता युवा मोर्चा रहे। श्री नरेन्द्र सिंह तोमर 1991 में प्रांतीय संयोजक केशरिया वाहिनी (एकता यात्रा) मध्यप्रदेश तथा 1991 से 96 तक भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष रहे हैं। श्री तोमर वर्ष 1996 से निरन्तर प्रदेश मंत्री तथा भारतीय जनता पार्टी ग्वालियरचंबल संभाग के प्रभारी की जिम्मेदारी का निर्वहन किया। श्री तोमर 1998 में पहली बार विधायक चुने गये थे।

श्री तोमर अल्पायु से ही समाज सेवा के लिये क्षेत्र में जाने जाते हैं, वहीं दूसरी ओर ओजस्वी वक्ता एवं कुशल संगठक भी हैं। श्री तोमर ने युवा मोर्चा द्वारा आयोजित अनेक यात्राओं का कुशल संचालन भी किया है। श्री नरेन्द्र सिंह तोमर बारहवीं विधानसभा के लिए दूसरी बार विधायक चुने गये हैं। उन्हें 8 दिसम्बर 2003 को मंत्रिमण्डल में केबिनेट मंत्री के रूप में शपथ दिलायी गयी तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास, ग्रामोद्योग, मछली पालन विभाग का दायित्व सौंपा गया। बाद में एक जुलाई 2004 को आपको पंचायत एवं ग्रामीण विकास, ग्रामोद्योग विभाग का प्रभार सौंपा गया। श्री तोमर को 27 अगस्त 2004 को मुख्यमंत्री श्री बाबूलाल गौर के मंत्रिमंडल में मंत्री के रूप में शपथ ग्रहण कराई गई।

श्री तोमर को पुनः 04 दिसम्बर 2005 को मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के मंत्रिमंडल में मंत्री के रूप में सम्मिलित किया गया। 22 नवंबर 2006 को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। आपने पार्टी को विधानसभा चुनावों में दूसरी बार विजय दिलाने के लिये स्वयं विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने का निर्णय लिया। ■

कांग्रेस के राज में किसान बदहाल : वेंकैया नायडू

एनडीए सत्ता में आई तो किसानों को 4 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर पर मिलेगा ऋण

b नेलो–भाजपा ने भिवानी की अनाज मंडी में एक विशाल विजय संकल्प रैली का आयोजन किया। रैली में उमड़ी भारी भीड़ को संबोधित करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष वेंकैया नायडू ने कहा कि इनेलो और भाजपा मिलकर देश व प्रदेश में कृषि और गांवों का विकास करके स्व. चौ. देवीलाल के सपनों को साकार करेंगे।

श्री नायडू ने केंद्र की यूपीए सरकार की जमकर खिंचाई की। उन्होंने प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को सबसे कमजोर प्रधानमंत्री करार देते हुए कहा कि पर्दे के पीछे से सत्ता की बागडोर सोनिया गांधी और लालू प्रसाद यादव जैसे नेता संभाल रहे हैं। कांग्रेस के राज में किसान बदहाल हो गया है और कर्ज के बोझ से दबकर आत्महत्या करने को मजबूर हो गया है। उन्होंने कहा कि अब तक 25 प्रदेशों में से 15 प्रदेशों में कांग्रेस को मुंह की खानी पड़ी है और सोनिया और राहुल का जादू फेल साबित हुआ है। लोगों को कांग्रेस के पचास साल के राज ने गरीबी, भुखमरी, महंगाई और आतंकवाद के सिवा कुछ नहीं दिया। उन्होंने एनडीए शासन के दौरान अटल बिहारी वाजपेयी सरकार द्वारा किए गए रिकार्डतोड़ कामों को गिनवाया और कहा कि इनेलो के सहयोग और समर्थन से दोबारा केंद्र में सरकार आने पर किसानों को 4 प्रतिशत वार्षिक की दर पर ब्याज मिलेगा। किसानों को उनकी फसलों के उचित भाव मिलेंगे। हर गांव में सड़क, पीने का पानी और सिंचाई के लिए पर्याप्त व्यवस्था की जाएगी।

इनेलो सुप्रीमो ओम प्रकाश चौटाला ने कहा कि कांग्रेस पूंजीपतियों की पार्टी है। चुनाव के समय कांग्रेस का हाथ गरीब के साथ होने का नारा देकर कांग्रेस सत्ता में आती है और कुर्सी मिलते ही कांग्रेस का पंजा गरीब के गले का फंदा बन जाता है। कांग्रेस बुनियादी तौर से आम आदमी के खिलाफ है। चुनाव के समय इस पार्टी के नेता पूंजीपतियों और उद्योगपतियों से चुनावी चंदे के रूप में मोटी रकम ऐंठते हैं और चुनाव जीत जाने के बाद इन लोगों को मनमाने रेट तय करने की खुली छूट दी जाती है जिसका खामियाजा गरीब आदमी को भुगतना पड़ता है। आज देश व प्रदेश में महंगाई ने नये रिकार्ड कायम किए हैं।

इनेलो सुप्रीमो ओमप्रकाश चौटाला को भाजपा के जिला प्रधान ऋषि प्रकाश शर्मा ने पगड़ी भेंट की और इनेलो जिला प्रधान रणबीर मन्दौला ने चांदी की गदा एवं शाल भेंट करके सम्मानित किया। भाजपा नेता वेंकैया नायडू को इनेलो जिला प्रधान ने हरी पगड़ी पहनाई और भाजपा के जिला प्रधान तथा घनश्याम

विजय संकल्प रैली के संयोजक एवं राज्यसभा सांसद अजय सिंह चौटाला ने कहा कि इनेलो–भाजपा गठबंधन से कांग्रेसियों की नींद हराम हो गई है और उन्हें सपने में भी गठबंधन की सरकार दिखाई देती है। भारी भीड़ से प्रसन्न चौटाला ने लोगों से हाथ उठवाकर कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प करवाया और विश्वास दिलाया कि केंद्र में लाल कृष्ण आडवाणी तथा प्रदेश में इनेलो के नेतृत्व में सरकार बनने पर जनता की सभी समस्याओं का निदान होगा और विकास कार्यों की गंगा बहाई जाएगी। दोनों पार्टियों के नेता मिलकर प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों पर लेकर जाएंगे। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश की सभी दस सीटों पर एनडीए विजय हासिल करेगी।

सर्राफ ने चांदी की गदा भेंट की। इनेलो एवं भाजपा की जिला इकाई की तरफ से ओमप्रकाश चौटाला एवं वेंकैया नायडू को स्मृति चिह्न, पगड़ी तथा शॉल भेंट करके सम्मानित किया गया। इस जनसभा को भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष आत्मप्रकाश मनचन्दा, इनेलो प्रदेशाध्यक्ष अशोक अरोड़ा, पूर्व राज्यपाल सुल्तान सिंह, पूर्व मंत्री बहादूर सिंह, डा. वासुदेव शर्मा, कैलाश शर्मा, कैप्टन अभिमन्यु, जसविन्द्र सिंह संधु, सुनील लांबा, भाजपा जिलाध्यक्ष ऋषिप्रकाश शर्मा, इनेलो जिलाध्यक्ष रणबीर मंदौला, राज्य कार्यकारिणी की सदस्य सरोज सिहाग, सीमा लांबा, ओमप्रकाश मान, कर्नल मंगलसिंह, कर्नल रघुबीर सिंह छिल्लर, तेलूराम जोगी, विजय प्रकाश चीफ, आजाद वाल्मीकि आदि नेताओं ने संबोधित किया। ■

भाजपा लोकसभा चुनाव में वापसी करेगी : प्रो. कोहली

Xत 20 जनवरी को भारतीय जनता पार्टी की नवगठित प्रदेश कार्यसमिति की पहली बैठक को संबोधित करते हुए पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष प्रोफेसर ओम प्रकाश कोहली ने उम्मीद जताई कि लोकसभा चुनाव में भाजपा वापसी करेगी व उसे दिल्ली की जनता का विश्वास प्राप्त होगा।

उन्होंने कहा कि आर्थिक संकट के दुष्परिणाम सामने आने लगे हैं और जनता एनडीए सरकार के कार्यकाल को याद करने लगी है। कार्यसमिति की बैठक में सरकार के खिलाफ एक प्रस्ताव पार्टी के प्रदेश मंत्री रमेश बिधुड़ी के द्वारा रखा गया जिसका अनुमोदन भाजपा के वरिष्ठ नेता मेवाराम आर्य ने किया।

कार्यसमिति की बैठक में जिन प्रमुख नेताओं ने भाग लिया उनमें भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री श्री रामलाल, भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी थावर चंद गहलोत, भाजपा के विधानसभा में विपक्ष के नेता विजय कुमार मल्होत्रा, निगम में स्थायी समिति के अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता, उपमहापौर दिव्य जायसवाल, विजय गोयल, मदन लाल खुराना, मांगेराम गर्ग, चरती लाल गोयल भी मौजूद थे।

प्रस्ताव में कहा है कि भारतीय जनता पार्टी दिल्ली प्रदेश कार्यसमिति की बैठक संकल्प करती है कि आगामी लोकसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए भाजपा यूपीए सरकार की जनविरोधी नीतियों, अर्थव्यवस्था पर भीषण संकट, बेतहाशा बढ़ रही बेरोजगारी, कमरतोड़ महंगाई, आतंकवाद एवं तुष्टिकरण की नीतियों की वजह से गहराते राष्ट्रीय संकट जैसे मुद्दों को उजागर करेगी तथा दिल्ली की पौने दो करोड़ जनता का जनविश्वास अर्जित करते हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवारों को विजयी बनाने के लिए सघन अभियान शुरू करेगी।

कार्यसमिति की बैठक में पारित प्रस्ताव में निर्णय किया गया कि भाजपा दिल्ली की जनता के हितों की रक्षा करने तथा दिल्ली में नवगठित कांग्रेस सरकार की कुनीतियों एवं चुनाव के दौरान किए गए वायदों की अनदेखी करने को विशेष रूप से जन अभियान का मुद्दा बनाएगी। भारतीय जनता पार्टी दिल्ली की आम जनता के हितों के लिए सदैव संघर्ष करती रही है। जनता ने भाजपा को रचनात्मक विपक्ष की भूमिका अदा करने का दायित्व सौंपा है, निश्चय ही वह इस दायित्व को प्रभावी ढंग से पूरा करेगी और दिल्ली की जनता के हितों की अनेदखी जैसे मुद्दों के विरूद्ध व्यापक जनसंघर्ष करेगी।

प्रस्ताव में कहा है कि कार्यसमिति का मत है कि कांग्रेस सदैव धोखे और प्रपंच की राजनीति अपनाती रही है। इसीलिए चुनाव समाप्त होने के पश्चात आज भी दिल्ली की झुग्गी बसितयों में रहने वाले 30 लाख लोगों में से अधिकतर को बीपीएल कार्ड ही जारी नहीं किए गए हैं जबकि चुनाव से पूर्व यह घोषणा की गई थी कि दिल्ली के सभी बीपीएल के अंतर्गत आने वाले परिवारों को कार्ड जारी किए जाएंगे। इससे दिल्ली की कांग्रेस सरकार का गरीब विरोधी चेहरा एकदम उजागर हो गया है। भारतीय जनता पार्टी दिल्ली के सभी झुग्गीवासियों को शीघ्रता से बीपीएल कार्ड जारी किए जाने की मांग करती है।

कांग्रेस पार्टी ने चुनाव से पूर्व अनाधिकृत बस्तियों को नियमित करने के बड़े–बड़े वायदे किए थे, लेकिन अब दिल्ली का कांग्रेस सरकार अनाधिकृत कालोनियों को नियमित करने के लिए न तो सर्वे करने के लिए तैयार है और और न बिजली–पानी जैसी सुविधाएं मुहैया कराने के लिए किसी भी कारगर योजना पर अमल करने को। इन क्षेत्रों में रहने वाले लोग आज भी नारकीय जीवन जी रहे हैं और बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं।

प्रस्ताव में कहा है बिजली के निजीकरण का घोटाला दिल्ली के इतिहास का सबसे बड़ा घेटाला है। निजी कंपनियां जहां निरंतर बिजली की दरें बढ़ाने की पेशकश कर रही हैं वहीं तेज दौड़ते मीटरों की मार से आम आदमी को आज भी राहत नहीं है जबकि दिल्ली सरकार बिजली वितरण की निजी कंपनियों को करोड़ों रूपया अनुदान के रूप में अदा कर रही है। निजीकरण के छह वर्ष में इनके क्रियाकलापों की समीक्षा नहीं की गई है।

प्रस्ताव में यह भी कहा है कि हाल ही में डीडीए घोटाले ने तो यह प्रमाणित कर दिया है कि शहरी विकास मंत्रालय, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, डीडीए के उच्च अधिकारी एवं माफिया गिरोह की सांठगांठ है। डीडीए भ्रष्टाचार का अड्डा है जिसे केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय का सदैव संरक्षण प्राप्त होता रहा है। भाजपा की कार्यसमिति डीडीए घोटाले की उच्च स्तरीय जांच कराए जाने की मांग करती है ताकि केंद्रीय मंत्रालय सहित उन सभी अधिकारियों को कानूनी कटघरे में खड़ा किया जाए जिनके संरक्षण में घोटाले पनप रहे हैं। ■

दिल्ली प्रदेश भाजपा के नए पदाधिकारी घोषित

दिल्ली प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश कोहली ने 73 सदस्यीय प्रदेश कार्यसमिति की घोषणा की।

श्री कोहली ने 5 उपाध्यक्ष, तीन महामंत्री व 5 मंत्री के साथ–साथ पार्टी कोषाध्यक्ष भी नियुक्त किये जिनके नाम निम्नानुसार हैं:–

अध्यक्ष

श्री ओमप्रकाश कोहली

उपाध्यक्ष

श्री नंदकिशोर गर्ग
श्री पवन शर्मा
श्री अब्दुल रशीद
श्रीमती मीरा कांवरिया
श्री अनिल झा

महामंत्री

श्री रमेश विधूडी
श्री आर.पी. सिंह
श्री विजय शर्मा (संगठन महामंत्री)

मंत्री

श्री आशीष सूद
श्री सतीश उपाध्याय
सुश्री कमलजीत सहरावत
श्री रामचरण गुजराती
श्री प्रवेश वर्मा

कोषाध्यक्ष

श्री प्रवीण खण्डेलवाल

कार्यालय मंत्री

श्री उदय शर्मा

सह-कार्यालय मंत्री

श्री आदेश गुप्ता

भाजपा महिला मोर्चा राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक

नारी शक्ति का संकल्प : विजय हमारी होगी

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा, पदाधिकारी एवं प्रभारी की बैठक 20 जनवरी, 2009 को 11 अशोक रोड, नई दिल्ली में आयोजित हुई, जिसकी अध्यक्षता श्रीमती किरण माहेश्वरी ने की। बैठक में महिला मोर्चा की प्रभारी श्रीमती सुमित्रा महाजन, राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री रामलाल एवं राज्यसभा में पार्टी की उपनेता श्रीमती सुषमा स्वराज ने मार्गदर्शन दिया।

श्रीमती माहेश्वरी ने सभी पदाधिकारियों से उनके द्वारा प्रदेशों के प्रवास की जानकारी ली। श्रीमती सुमित्रा महाजन ने अपने संबोधन में प्रभारियों से सहयोगी के रूप में काम करने तथा प्रदेश पदाधिकारियों से संवाद करने पर बल दिया। बैठक में माननीय सुषमा स्वराज ने कहा कि लोकसभा चुनाव में महिला मोर्चा पर सबसे अधिक जिम्मेदारी आने वाली है क्योंकि हर घर में अंदर तक जाकर अपनी ओर वोटर को मोटीवेट करने की उनमें अदम्य क्षमता होती है। श्री लालकृष्ण आडवाणी को प्रधानमंत्री बनाने का लक्ष्य पूरा करना है।

श्री रामलाल ने कहा कि प्रांतों में गतिविधि अधिक बढ़ानी होगी ताकि अधिक लोकसभा सीटों पर सफलता मिलें। महिला मोर्चा द्वारा ''आधार शिला'' नाम से स्मारिका निकाले जाने पर चर्चा हुई जिसका विमोचन 7 फरवरी, 2009 को नागपुर में भाजपा की राष्ट्रीय परिषद में किया जाना तय हुआ है। ये भी तय हुआ कि एक बड़ा महिला सम्मेलन प्रत्येक प्रदेश में 15 मार्च 2009 से पहले किया जाये। ■

भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति : म.प्र.

नारीशक्ति को सम्मान दिया है भाजपा ने

भाजपा महिला मोर्चा मध्यप्रदेश की कार्यकारिणी बैठक 18 जनवरी 2009 को सतना में आयोजित हुई। महिला मोर्चा की कार्यसमिति की बैठक में प्रदेश अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर एवं सह–संगठन महामंत्री श्री भगवत शरण माथुर विशेष रूप से उपस्थित हुए।

मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी में जनता ने विश्वास व्यक्त करके आगामी पांच वर्षों के लिए जनादेश दिया है। जनता ने जो विश्वास पार्टी को सौंपा है, हम उस पर खरे उतरेंगे और आगामी लोकसभा चुनाव में उसी जन उत्साह को समर्थन के रूप में अर्जित करेंगे। नरेंद्र सिंह तोमर ने आगामी चुनाव में केन्द्र में श्रीलालकृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में एनडीए सरकार के गठन में जन–जन से सक्रिय और रचनात्मक सहयोग देने का आह्वान किया। नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि नारी शक्ति की गरिमा को भाजपा ने पुनर्जीवित किया है। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को आरक्षण दिए जाने की पहल भारतीय जनता पार्टी ने की। भाजपा ने संगठन में 33 प्रतिशत आरक्षण महिलाओं को दिया गया है और हमारा संकल्प है कि केन्द्र में एनडीए की सरकार बनने पर महिला आरक्षण विधेयक को कानून का रूप दिया जाएगा। जिससे लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़गी। पिछले चार वर्षों में यूपीए सरकार ने महिला आरक्षण के नाम पर कोरी राजनीति की है और महिलाओं को छला है। मध्यप्रदेश में महिला सशक्तिकरण की जितनी योजनाएँ आरंभ की गयी हैं, उतनी देश के किसी अन्य रायों में आज तक प्रभावी नहीं की गई। महिला पंचायत बुलाकर मुख्यमंत्री ने महिलाओं प्रतिनिधियों के रचनात्मक सुरक्षा लिए और महिलाओं की सिफारिशों के आधार पर ही महिला नीति बनाई गई है जिससे प्रदेश में महिला सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त हुआ है। उन्होंने महिला शक्ति का आह्वान किया कि वह लोकसभा चुनाव में निर्णायक पहल करेगी और मध्यप्रदेश में इसका सुफल भारतीय जनता पार्टी को मिलेगा।

कार्यसमिति की बैठक के सत्र को सम्बोधित करते हुए भगवत शरण माथुर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता आधारित दल है और कार्यकर्ता यहां अपने दायित्व का निर्वाह करता हुआ, गौरवान्वित महसूस करता है। महिला मोर्चा ने प्रदेश व्यापी विस्तार करके नगर, ग्राम केन्द्रों से लेकर मतदान केन्द्र तक अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज की है। उन्होंने आग्रह किया कि महिला मोर्चा मतदान केन्द्र तक अपनी भूमिका सक्रियता के साथ परिभाषित करेगा और आने वाले लोकसभा चुनाव में पार्टी प्रत्याशियों की विजयी सुनिश्चित करेगा। समाज कल्याण बोर्ड की अध्यक्ष उषा चतुर्वेदी ने लोकसभा चुनाव को देखते हुए महिला पदाधिकारियों से आग्रह किया कि वे अपने–अपने क्षेत्र में संसदीय चुनाव के लिए कमर कस लें। महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मंजू माखीजा, शिवा मिश्रा, रीना गुजराल सहित अन्य महिला बहनों ने भी प्रदेश कार्यसमिति की बैठक को संबोधित किया और कहा कि केन्द्र सरकार के सौतेले व्यवहार के कारण प्रदेश की जनता अपने को दंडित महसूस कर रही है। यह चुनाव कांग्रेस और केन्द्र सरकार को सबक सिखाने का एक मौका है। इस मौके को भुना कर भारतीय जनता पार्टी को विजयी बनाकर हम कांग्रेस को माकूल जवाब देंगे। ■

बसपा सरकार अब तक की सबसे भ्रष्ट सरकार : डा. जोशी

प्रदेशव्यापी जेल भरो आन्दोलन में लाखों कार्यकर्ताओं ने दी गिरफ्तारी

Hkk जपा के प्रदेशव्यापी जेल भरो आंदोलन को लेकर उत्तर प्रदेश के लगभग सभी जिला मुख्यालयों पर आयोजित धरना व प्रदर्शन का कार्यक्रम किया गया। तत्पश्चात् कार्यकर्ताओं ने अपनी गिरफ्तारी दी। पुलिस के इस बल प्रयोग में कई कार्यकर्ता घायल हो गये।

उत्तर प्रदेश में शासन के भ्रष्टाचार के खिलाफ भाजपा नेता और पूर्व केन्द्रीय मंत्री डाक्टर मुरली मनोहर जोशी के नेतृत्व में जिला मुख्यालय वाराणसी पर धरना–प्रदर्शन किया गया। बनारस संसदीय सीट से भाजपा के उम्मीदवार बनने के साथ ही जोशी ने मायावती शासन के खिलाफ आंदोलन का बिगुल बजाया। भाजपा का जेल भरो आंदोलन दोपहर बारह बजे से शुरू हुआ। भाजपा कार्यकर्ता जब गिरफ्तारी देने सर्किट हाउस की तरफ जा रहे थे तभी कुछ शरारती तत्वों ने उनके साथ चल रहे पुलिस कर्मियों के ऊपर डंडे और पत्थर के टुकड़े फेंके जिससे वहां भगदड़ मच गई। तभी पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया जिससे पांच दर्जन भाजपा कार्यकर्ता घायल हो गए। इनमें से आधा दर्जन कार्यकर्ताओं को अस्पताल ले जाना पड़ा।

हालात तब और बिगड़े जब डाक्टर जोशी ने इस लाठीचार्ज व बेगुनाह गिरफ्तारी का विरोध किया। इस घटना से घबराए पुलिस के आला अफसर मौके पर पहुंचे और मामले को शांत किया। पुलिस लाठीचार्ज से गुस्साए भाजपा नेता और कार्यकर्ता सर्किट हाउस के पास धरने पर बैठ गए। डाक्टर जोशी ने मौके पर डीएम और एसएसपी को बुलाने की मांग की। शाम पांच बजे डीएम और एसएसपी मौके पर पहुंचे और डाक्टर जोशी से बातचीत की। उन्होंने जोशी को भरोसा दिलाया कि इस घटना के दोषियों को सजा मिलेगी।

बनारस में भाजपा कार्यकर्ताओं पर बरसी लाठियाँ

घटना के बाद धरने पर बैठे डॉ. जोशी ने कहा–बसपा सुप्रीमो व प्रदेश की मुख्यमंत्री मायावती के कुशासन के खिलाफ भाजपा पूरे प्रदेश में आंदोलन कर रही है।

औरैया के इंजीनियर मनोज गुप्ता की हत्या मायावती के लिए चंदा वसूली के लिए कर दी गई। इस बारे में अगर मायावती पाक–साफ हैं तो सीबीआई जांच से क्यों हिचकिचा रही हैं। भाजपा शासनकाल में मायावती की मांग पर इलाहाबाद में अतीक अंसारी से जुड़ी घटनाओं की सीबीआई जांच कराई गई थी।

सपा के मुखिया मुलायम सिंह यादव के संपत्ति की जांच हो सकती है तो मायावती को अपनी संपत्ति की जांच कराने पर आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री मुरली मनोहर जोशी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की मौजूदा बसपा सरकार अब तक की सबसे भ्रष्ट सरकार है जो टिकट से लेकर जन्मदिन तक पर धन उगाही का काम करती है। आज अत्याचार, अनाचार एवं भ्रष्टाचार ने राजनीति को गंदा कर दिया है इस माहौल में राजनीतिज्ञों को संकल्प लेना चाहिए राजनीति को धंधा नहीं बनायेंगे। राजनीतिज्ञों का कार्य समाज सेवा करना होता है।

बनारस संसदीय सीट से भाजपा के उम्मीदवार घोषित होने के बाद डॉ. जोशी की अगुवाई में आयोजित मंडल स्तर पर जेल भरो आंदोलन के लिए विभिन्न जनपदों व शहरों के कार्यकर्ता नदेसर में स्वामी विवेकानंद की मूर्ति के सामने इकट्ठे हुए और पूरे शहर में जुलूस निकाला। गाजीपुर, चंदौली, जौनपुर, बनारस से भारी संख्या में कार्यकर्ता जिला मुख्यालय पर पहुंचे। भाजपा के प्रदेश रमापतिराम त्रिपाठी ने कहा कि लाठीचार्ज के विरोध में एक दिवस के लिए को पूर्वी उत्तर प्रदेश बंद रहेगा।■

उत्तराखण्ड

हिन्दी का मान बढ़ाएं : वी. सी. खण्डूरी

उत्तराखण्ड सरकार की विशेष पहल

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में हिन्दी साहित्य का विशेष योगदान रहा है। इसी प्रकार हिन्दी भाषा के उत्थान में उत्तराखण्ड के साहित्यकारों के योगदान को भी भुलाया नहीं जा सकता।' यह कहना है उत्तराखण्ड के राज्यपाल श्री बी. एल. जोशी का। वे उत्तराखण्ड के पहले अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी सम्मेलन का उद्घाटन कर रहे थे। भाषा विभाग का काम संभालने के बाद स्वास्थ्य मंत्री डा. रमेश पोखरियाल 'निशंक' के संयोजन में राज्य का यह पहला अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी सम्मेलन गत 30 दिसम्बर को देहरादून में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर श्री जोशी ने कहा कि हिन्दी भारतीय सांस्कृतिक चेतना की प्रतीक है। हिन्दी को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाने हेतु इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन बहुत आवश्यक है। श्री जोशी ने यह भी कहा कि भारतीय संस्कृति सचमुच दुनिया की सबसे विशिष्ट संस्कृति है। इस संस्कृति की अभिव्यक्ति हिन्दी में ही की जा सकती है।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र का उद्घाटन करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री मे.जन. (से.नि.) भुवन चन्द्र खण्डूरी ने कहा कि भारतवंशियों के हिन्दी प्रेम से मैं अभिभूत हूं। विदेशों में हिन्दी के प्रचार–प्रसार में जिस तन्मयता के साथ भारतवंशियों ने अपना योगदान दिया है, वह सराहनीय है। श्री खण्डूरी ने कहा कि हमें विदेश में बसे भारतवंशियों से प्रेरणा लेनी चाहिए और अपने देश में भी हिन्दी के लिए व्यापक स्तर पर काम करना चाहिए। देश की वर्तमान राजनीति और राजनीतिज्ञों पर हो रही टिप्पणियों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि दोष भले ही नेताओं को दिया जा रहा है लेकिन देश की दुर्दशा के लिए हम सभी जिम्मेदार हैं। इस जिम्मेदारी को अपने ऊपर लेकर सभी के प्रयास से ही देश का कायाकल्प हो सकता है। श्री खण्डूरी ने कहा कि साहित्य और कला की समझ न होने के बाद भी मैं हिन्दी और भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूक हूं। हमारा प्रयास होगा कि उत्तराखण्ड में हिन्दी पर इतना काम हो कि उससे देश और दुनिया में हिन्दी का मान बढ़े।

इस अवसर पर इंग्लैण्ड से आये प्रवासी साहित्यकार डा. कृष्ण कुमार ने कहा कि हिन्दी विश्व में सबसे अधिक बोली और समझी जाने वाली भाषा है, बावजूद इसके हिन्दी को उतना सम्मान नहीं मिल रहा है जितना कि मिलना चाहिए।

भाषा विभाग की जिम्मेदारी संभाल रहे प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि उत्तराखण्ड भारत का माथा है और हिन्दी इस माथे की बिन्दी। हिन्दी एक विशाल सागर की तरह है, हर भारतवासी को हिन्दी का स्थान विश्व में सुनिश्चित करने के प्रयास करने चाहिए। भारतीय साहित्यकारों ने हिन्दी को संवैधानिक दर्जा दिलाने के लिए भारतीय विधानसभाओं से प्रस्ताव पारित करवाने का भी निर्णय लिया है। और भारतीय संसद के माध्यम से संयुक्त राष्ट्र संघ की आधिकारिक भाषा बनाने का भी आन्दोलन चलाया जाएगा।

पद्मश्री साहित्यकार श्री लीलाधर जगूड़ी ने कहा कि विश्व में भाषाएं अभिव्यक्ति का सबसे पुराना और सशक्त माध्यम हैं। भारत में 8–9 भाषाएं ऐसी हैं जिनकी अपनी लिपि है, किन्तु कई भाषाओं के पास अपना साहित्य ही नहीं है। 300 से अधिक भाषाओं की लिपि नहीं है किन्तु वे देवनागरी से ही अपना काम चला रहे हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री, भाषा विभाग के मंत्री एवं महिला कल्याण राज्यमंत्री ने दो दर्जन से अधिक प्रवासी भारतीय साहित्यकारों को सम्मानित भी किया।

छत्तीसगढ़

कमांडो बटालियन गठित करने वाला पहला राज्य

मुम्बई में आतंकवादी हमले के बाद कमाण्डो बटालियन गठित करने वाला छत्तीसगढ़ पहला राज्य बन गया है।

राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) की तर्ज पर गठित कमांडो बटालियन गठित करने का उद्देश्य आतंकवादी घटनाओं खासकर शहरी आतंकवाद की प्रभावी रोकथाम करना है। छत्तीसगढ़ कमांडो बटालियन को विशेष हथियारों से सुसज्जित किया जाएगा जो शहरी आतंकवाद के साथ–साथ माओवादी आतंकवादी घटनाओं के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने में सक्षम और समर्थ होगा। इन कमांडो को गुरिल्ला लड़ाई के लिए भी दक्ष किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल ईएसएल नरसिम्हन ने दुर्ग जिले के अमलेश्वर में राज्य पुलिस की पहली कमाण्डो बटालियन का उद्घाटन किया। श्री नरसिम्हन ने इस अवसर पर कहा कि विकास का सुरक्षा से गहरा संबंध है। सुरक्षा बल देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बिना सुरक्षा के विकास संभव नहीं है। उन्होंने विश्वास जताया कि छत्तीसगढ़ में बना अपनी तरह का यह पहला कमांडो बटालियन सर्वोत्कृष्ट बल के रूप में उभर कर सामने आएगा। राज्यपाल ने छत्तीगसढ़ कमांडो बटालियन प्रारंभ करने के लिए राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन को बधाई दी। उन्होंने कहा कि एक टाइम फ्रेम के रूप में इन कमांडो को अत्याधुनिक अस्त्र शस्त्रों एवं उपकरणों तकनीकी तथा प्रशिक्षण से लैस करना होगा साथ ही यहां आवासीय सुविधाएं मुहैया कराई जानी होगी।

उन्होंने राज्य पुलिस बल के सभी जवानों को आधुनिक कमांडो प्रशिक्षण दिए जाने के साथ–साथ भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों को भी जंगल वारफेयर प्रशिक्षण के साथ–साथ चार हफ्तों का कमांडो प्रशिक्षण दिए जाने की आवश्यकता बतायी। राज्य के पुलिस महानिदेशक विश्वरंजन ने कहा कि छत्तीसगढ़ को भी नक्सलवाद का सामना करना पड़ रहा है। हाल ही में मुंबई की आतंकवादी घटना के बाद राज्य के मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह ने राज्य में एनएसजी की तर्ज पर बटालियन बनाने के निर्देश दिए थे। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन के अनुसार छत्तीसगढ़ कमांडो बटालियन में परिवर्तित करने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि जवानों को कमांडो का बेसिक प्रशिक्षण देने के साथ–साथ राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड सीमा सुरक्षा बल एवं इंडो तिब्बत पुलिस जैस संस्थाओं से भी प्रशिक्षण मिलेगा। प्रशिक्षण तीन माह का होगा।

दिल्ली

मतदाता सूचियों की गड़बड़ी दूर करे आयोग : प्रो. कोहली

मतदाता सूची में धांधली को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश कोहली के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल चुनाव आयुक्त नवीन चावला से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयुक्त को बताया कि मतदाता सूची से डुप्लीकेट व फर्जी नाम हटाए जाने चाहिए, क्योंकि इससे चुनाव परिणाम पर असर पड़ सकता है। साथ ही उन्होंने मतदाता सूची को अपडेट करने की अंतिम तारीख को बढ़ाने की मांग की है। चुनाव आयुक्त ने उचित कदम उठाने का आश्वासन दिया है।

ओमप्रकाश कोहली ने बताया कि भाजपा की आईटी सेल ने मतदाता सूची की जांच की, जिसके बाद पता चला कि 11 लाख 24 हजार 781 वोट मतदाता सूची में दो स्थानों पर ज्यों के त्यों दर्ज हैं, जबकि करीब 15 लाख ऐसे नाम दर्ज हैं, जो थोड़ा बहुत तकनीकी अंतर बाद डुप्लीकेट जैसे हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2007 में हुए नगर निगम चुनाव में दिल्ली में कुल मतदाताओं की संख्या 99 लाख 63 हजार 13 थी, जो कि वर्ष 2008 के विधानसभा चुनाव में बढ़कर 1 करोड़ 7 लाख 22 हजार हो गई। वहीं फोटो मतदाता सूची में होने के बावजूद एक नाम, पता व आयु के हजारों मतदाता हैं। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य चुनाव आयुक्त को फोटो मतदाता सूची की प्रतिलिपि, संभावित फर्जी मतदाताओं की सूची की सीडी व हार्ड कॉपी सौंपी।

कोहली ने मतदान के दौरान राशन कार्ड को पहचान पत्र के रूप में इस्तेमाल करने पर रोक लगाने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल में विपक्ष के नेता प्रो. वीके मल्होत्रा, मदनलाल खुराना, नंद किशोर गर्ग, अब्दुल राशिद, रमेश बिधूड़ी, वेद व्यास महाजन, विवेक गोयल और संजय कौल शामिल थे।

बिहार

तीन वर्ष में बदली बिहार की सूरत : मोदी

बिहार के उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि राजग के तीन वर्षों के शासनकाल में बिहार की तस्वीर बदली है। राज्य में जहां युवकों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं वहीं बड़े पैमाने पर लोगों को नौकरी दी जा रही हैं। बिहार के उप मुख्यमंत्री ने तूफानी दौरा कर दरभंगा जिला के बहेड़ी एवं बेनीपुरपुर प्रखण्ड में विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास एवं उद्‌घाटन किया।

श्री मोदी ने बहेड़ी प्रखंड मुख्यालय के समीप 33/11 केवी विद्युत उपकेन्द्र का उद्‌घाटन किया एवं शांतिनायक उच्च विद्यालय परिसर में स्टेडियम एवं 70 शैय्या वाले स्वस्थ्य केन्द्र, विवाह भवन और कमला नदी के कमलपुर घाट पर पुल का शिलान्यास किया। विभिन्न सभाओं को संबोधित करते हुए मोदी ने राजगद शासनकाल के सड़कों की चर्चा करते हुए कहा कि पहले घोषणाएं होती थी जबकि अब काम बोल रहा है। सड़कों के निर्माण के लिए सही संवेदक नहीं मिल रहे हैं जिस कारण कई सड़कों का निर्माण कार्य नहीं हो रहा है। उन्होंने बेरोजगारों से स्वरोजगार के लिए आगे आने एवं निर्माण कार्य में सहयोग देने की अपील की।

उन्होंने कहा कि तीन वर्षों के शासनकाल में तीन लाख लोगों को नौकरी दी गई है जबकि दो लाख और युवकों को नौकरी देने की कार्रवाई शुरू की गई है। श्री मोदी ने कहा कि भ्रष्टाचारियों के खिलाफ सरकार कठोर कार्रवाई के लिए संकल्पित है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे भ्रष्टाचारियों को पकड़वाकर सरकार को सहयोग करें और सरकार से पुरस्कृत होकर इनाम की राशि से रोजगार के अवसर पाए। इस अवसर पर पथ निर्माण मंत्री श्री प्रेम कुमार, युवा खेल मंत्री रेणु कुमारी, विधान पार्षद संजय झा, विधायक संजय सरावगी एवं अशोक यादव भी उपस्थित थे।

झारखंड

झारखंड में राष्ट्रपति शासन लागू

झारखंड में चल रही राजनीतिक उथल–पुथल को देखते हुए प्रदेश विधानसभा को भंग कर राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया। लेकिन झारखंड में विधानसभा भंग नहीं की जाएगी। वो निलंबित रहेगी जिसे संवैधानिक भाषा में सस्पेंडेड एनीमेशन कहा जाता है।

गत 19 जनवरी को केंद्र सरकार की कैबिनेट बैठक में झारखण्ड में राष्ट्रपति शासन लागू करने का निर्णय लिया गया। राज्यपाल सैयद सिब्ते रजी ने केंद्र को एक रिपोर्ट भेजी थी, जिसमें झारखंड में विधानसभा भंग कर राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की गई थी। इसमें रजी ने राज्य में राजनीतिक अस्थिरता का जिक्र भी किया था।

गौरतलब है कि झारखंड मुक्ति मोर्चा राज्य में नए मुख्यमंत्री के चुनाव में एकमत होने में असफल रही थी। झारखंड के मौजूदा मुख्यमंत्री शिबू सोरेन ने विधानसभा उपचुनाव हारने के बाद 12 जनवरी को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। उसके बाद से ही झारखंड में राजनीतिक अस्थिरता को दौर चल रहा था। उन्हें मुख्यमंत्री होने के नाते 6 माह के भीतर विधानसभा की सदस्यता लेनी थी। ये अवधि 26 फरवरी को पूरी हो रही है और सोरेन इसमें नाकाम रहे हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता व सांसद श्री रविशंकर प्रसाद ने प्रदेश में नए सिरे से चुनाव कराने की मांग की है। ■

भाजपा ने की लोकसभा प्रत्याशियों की घोषणा

गत 19 जनवरी 2009 को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक हुई। इस अवसर पर लोकसभा में विपक्ष के नेता श्री लालकृष्ण आडवाणी भी उपस्थित थे। इस बैठक में आगामी लोकसभा 2009 के चुनाव हेतु 18 प्रत्याशियों के नाम की घोषणा हुई जो निम्नलिखित हैं :

राज्य	संसदीय क्षेत्र	उम्मीदवार का नाम
केरल	कासरगोड	श्री के. सुरेन्द्रन
केरल	वाडाकारा	श्री के.पी. श्रीषन्
केरल	कोझिकोड	श्री वी. मुरलीधरन
केरल	पोनानी	श्री के. ज्ञानचन्द्रन मास्टर
केरल	पालाक्कड	श्री सी.के. पद्मनाभन
केरल	एर्नाकुलम	श्री ए.एन. राधाकृष्णन
हिमाचल प्रदेश	कांगड़ा	डा. राजन सुशांत
हिमाचल प्रदेश	मंडी	श्री महेश्वर सिंह
हिमाचल प्रदेश	शिमला (एस.सी.)	श्री वीरेन्द्र कश्यप
झारखंड	हजारीबाग	श्री यशवंत सिन्हा
झारखंड	धनबाद	श्री पशुपतिनाथ सिंह
झारखंड	रांची	श्री रामटहल चौधरी
झारखंड	खूंटी (एस.टी.)	श्री करिया मुंडा
चंडीगढ़	चंडीगढ़	श्री सत्यपाल जैन
मणिपुर	इनर मणिपुर	श्री डबल्यू. निपामाचा सिंह
त्रिपुरा	त्रिपुरा पश्चिमी	श्री नीलमणि देब
त्रिपुरा	त्रिपुरा पूर्वी (एस.टी.)	श्री पुलिन बिहारी देवान
दादर व नागर हवेली	दादर व नागर हवेली	श्री नाटुभाई गोमनभाई पटेल

कमल संदेश परिवार की ओर से सभी सुधि पाठकों को बसंत पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं

भारतीय जनता युवा मोर्चा एनजीओ विभाग

विकास कार्यों को गति देने में एनजीओ की महत्वपूर्ण भूमिका

Hkk रतीय जनता युवा मोर्चा एनजीओ विभाग ने 13 जनवरी, 2009 को भाजपा मुख्यालय के सभागार में ''गांव–गांव में एन.जी.ओ. और इसकी भूमिका'' विषय पर एक चिंतन बैठक का आयोजन किया। मकर संक्राति के पूर्व संध्या में एक बैठक जिसमें लगभग सौ (100) एन.जी.ओ. के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री ओ. पी.कोहली, केन्द्रीय कार्यालय प्रभारी श्री श्याम जाजू, श्री कीर्ति आजाद, श्री शेषाद्रीचारी एवं श्री आनंद साहु ने किया। बैठक की अध्यक्षता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित ठाकर ने की।

बैठक समापन से पहले भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) श्री रामलाल ने कहा कि भारत की परंपरा में राज्याधारित व्यवस्था नहीं थी। पिछले 50–60 वर्षों में कांग्रेस की सरकार रही है लेकिन कभी भी भारत को भारत की परपंराओं से जोड़कर आगे बढ़ने का कोई प्रयास नहीं किया एक अत्यंत दु:ख की बात है। इन्होंने राज्य आधारित व्यवस्था बनाकर बहुत भूल की है। मुझे उम्मीद है NGO संगठनों के माध्यम से इसे दूर किया जा सकता है। ■